दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 242 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 02 सितम्बर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

बड़ा फैसलाः एक देश, एक चुनाव को लेकर कमेटी गठित

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी।

केन्द्र सरकार ने एक देश,एक चुनाव की दिशा में पहला कदम उठा लिया है।दरअसल सरकार ने इसकी संभावनाओं पर विचार के लिए एक कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है। कमेटी के सदस्यों पर थोड़ी देर में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। हालांकि विपक्षी पार्टियों ने सरकार के इस कदम पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने सवाल किया है कि अभी इसकी क्या जरूरत है? पहले महंगाई,बेरोजगारी जैसे मुद्दों का निवारण होना चाहिए। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आज पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात का वीडियो भी सामने आया है।

» क्यों एक साथ चुनाव कराना चाहती है सरकार

बता दें कि चुनाव कराने की वित्तीय लागत,बार-बार प्रशासनिक स्थिरता, सुरक्षा बलों की तैनाती में होने वाली परेशानी और राजनीतिक दलों की वित्तीय लागत को देखते हुए मौजूदा सरकार एक देश, एक चुनाव की योजना पर विचार कर रही है। इसके तहत सरकार लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है।साल 1951-52 में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए,लेकिन बाद में 1968, 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने और 1970 में लोकसभा को समय से पहले भंग होने से यह साथ चुनाव कराने का चक्र बाधित हो गया। यही वजह है कि अब स्थिति ये हो गई है कि हर साल कहीं ना कहीं चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसे में सरकार फिर से लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। अब इस दिशा में कमेटी का गठन एक बड़ा कदम है।

» सरकार के लिए भी आसान नहीं है फैसला

सरकार ने एक देश,एक चुनाव की संभावनाओं पर विचार के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। हालांकि सरकार के लिए भी इस फैसले को लागू करना और इस संबंध में कानून बनाना आसान नहीं होगा। दरअसल एक साथ चुनाव कराने के लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल में मनमाने ढंग से कटौती करनी पड़ेगी। जिसका विरोध होना तय है।

» क्षेत्रीय दलों को हो सकता है नुकसान

राजनीति के जानकारों का मानना है कि एक देश,एक चुनाव अगर देश में लागू हो जाता है तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्रीय दलों को होगा। दरअसल लोकसभा चुनाव में आमतौर पर मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर और राष्ट्रीय पार्टी को वोट देना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होंगे तो हो सकता है कि क्षेत्रीय दलों को इसका नुकसान झेलना पड़े।

बुर्का पहने लड़की और दोस्त को 'जय श्री राम' बोलने पर धमकी देने पर गिरफ्तार

बेंगलुरु/एजेंसी। कर्नाटक पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने बुर्का पहने एक लड़की और उसके दोस्त को 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी की पहचान ऑटो चालक नेयाज़ खान के रूप में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस और तथ्य जांच विंग बेंगलुरु के कोनानकुंटे इलाके में आरोपी को पकडने़ में कामयाब रहे। पुलिस ने कहा कि नेयाज़ खान के खिलाफ कोई मामला नहीं था और वह सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय था। उसने पुलिस को बताया था कि वीडियो देखकर उसे गुस्सा आ गया और उसने धमकी दे दी। तलघट्टपुरा पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच कर रही है। बुर्का पहने लड×की और टोपी पहने युवक को 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए दिखाने वाला एक वीडियो वायरल होने के बाद, आरोपी ने उन्हें सोशल मीडिया पर धमकी दी कि अगर उस पोशाक में 'जय श्री राम' का नारा लगाने की हिम्मत की तो उन्हें काट दिया जाएगा। वीडियो में आरोपी युवकों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पहले बुर्का और टोपी उतारो, फिर जो कहना है कहो। 'द राइट विंग गाइ' नाम से जाने वाले एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने बाद में बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए धमकी भरा वीडियो पोस्ट किया और कार्रवाई की मांग की।

इसरो को बड़ी मिली सफलता

चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर मिला विरल प्लाज्मा

चेन्नई/एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर- लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है।

प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं, जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है। इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र

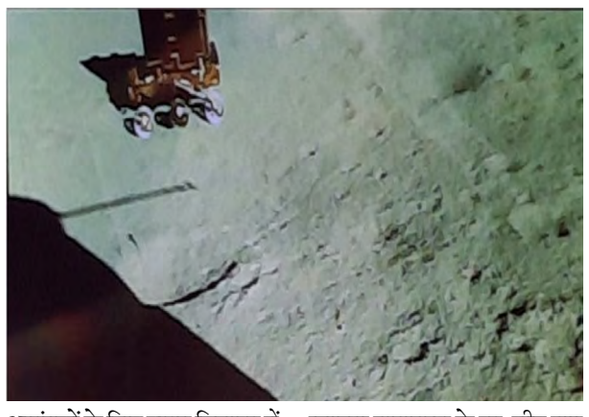

आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है। यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है। रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है।इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड झ पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण झ ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

आईएलएसए पेलोड को एलईओएस, बैंगलोर द्वारा डिजाइन किया गया है और इसे यूआरएससी, बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है।

बुर्का पहने लड़की और दोस्त को 'जय श्री राम' बोलने पर धमकी देने पर गिरफ्तार

बेंगलुरु/एजेंसी।

कर्नाटक पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने बुर्का पहने एक लड़की और उसके दोस्त को 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी की पहचान ऑटो चालक नेयाज़ खान के रूप में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस और तथ्य जांच विंग बेंगलुरु के कोनानकुंटे इलाके में आरोपी को पकडने़ में कामयाब रहे। पुलिस ने कहा कि नेयाज़ खान के खिलाफ कोई मामला नहीं था और वह सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय था। उसने पुलिस को बताया था कि वीडियो देखकर उसे गुस्सा आ गया और उसने धमकी दे दी। तलघट्टपुरा पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच कर रही है। बुर्का पहने लड×की और टोपी पहने युवक को 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए दिखाने वाला एक वीडियो वायरल होने के बाद, आरोपी ने उन्हें सोशल मीडिया पर धमकी दी कि अगर उस पोशाक में 'जय श्री राम' का नारा लगाने की हिम्मत की तो उन्हें काट दिया जाएगा। वीडियो में आरोपी युवकों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पहले बुर्का और टोपी उतारो, फिर जो कहना है कहो।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

तीसरी बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन,इसे नकारेंगे तो बात बिगड़ेगी और जाएंगे तो भी स्थिति खराब होगी: डॉ निशिकांत दुबे

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि आगामी 09 सितंबर को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने फिर से बुलाया है. हालांकि इस मामले में वह सुप्रीम कोर्ट गए हैं लेकिन यह तिथि उनके लिए गलत होने वाला है. अगर वे ईडी के पास जाने से अवॉयड करेंगे तो स्थिति खराब होगी और अगर जाएंगे तब भी स्थिति खराब होगी.इससे पहले ईडी ने रांची जमीन घोटाले में मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए पहली बार 14 अगस्त को बुलाया था लेकिन मुख्यमंत्री पहले समन पर उपस्थित नहीं हुए. इस दौरान उन्होंने एक पत्र ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को भेजा था. जिसमें उन्होंने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कानून की शरण में जाने की बात कही थी. वहीं ईडी से समन वापस लेने की मांग की थी, जिसके बाद ईडी मैंने भी सीएम को जवाबी पत्र भेजते हुए दूसरा समन भेज दिया था, जिसमें उन्हें 24 अगस्त को आने को कहा गया था. लेकिन उस दिन भी सीएम उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने इस मामले में राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर से हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार के लिए है. उन्होंने कहा कि खनिज संपदा की लूट हो रही है. लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब है. जनता इनसे ऊब चुकी है और इस सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है. सांसद ने दावा किया कि झारखंड में जब भी चुनाव होंगे भाजपा आजसू एनडीए गठबंधन दो तिहाई बहुमत से सरकार में आएगी और आगामी लोकसभा चुनाव में 14 की 14 सीट एनडीए गठबंधन को प्राप्त होगा.सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में संकल्प यात्रा चल रही है उसका जनता को व्यापक समर्थन मिल रहा है, अभी कोई चुनावी मौसम नहीं है फिर भी बाबूलाल मरांडी सभी 81 सीटों के लिये संकल्प यात्रा पर निकले हैं. सभी जगह लोगों की अपार भीड़ उमड़ रही है. लोग भाजपा नेताओं को सुनने और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जानने के लिए आ रहे हैं.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे शुक्रवार को दुगका बासुकीनाथ स्टेशन पर बने पहले रिजर्वेशन काउंटर का उद्घाटन किया. इस काउंटर से सबसे पहला रिजर्वेशन भी उन्होंने कराया और जसीडीह से दिल्ली के लिए टिकट कटवाया. उन्होंने कहा कि काफी दिनों से इसकी डिमांड की जा रही थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह उपहार क्षेत्र की जनता को दिया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता से जुड़े सभी विकास कार्यों की गति दी है. इस वजह से केंद्र सरकार के प्रति लोगों का काफी विश्वास बड़ा है और निश्चित रूप से इसका फायदा आने वाले दिनों में मिलेगा.

बासुकीनाथ स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर का किया उद्घाटन

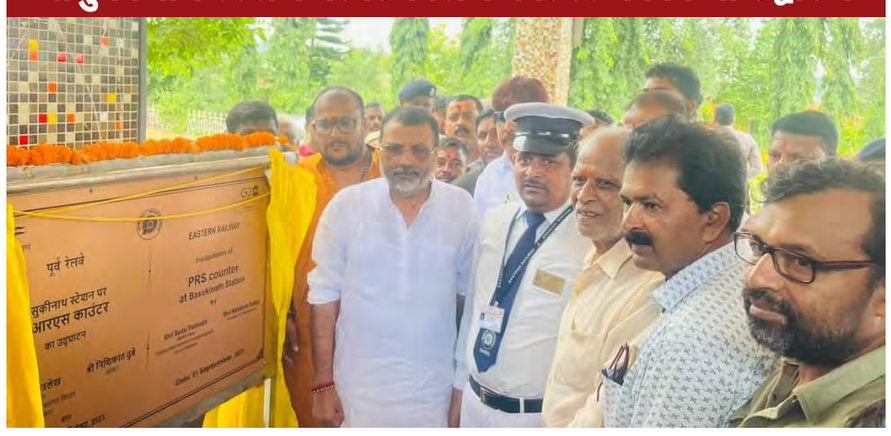

झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया विधायक का जन्मदिन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका विधायक एवं झामुमो के युवा मोर्चा केन्द्रीय अध्यक्ष बसंत सोरेन के जन्मदिन के शुभ अवसर पर स्थानीय खिजुरिया स्थित गुरुजी आवास में केक काटकर धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया । इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रवि यादव, प्रखण्ड अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, विजय मल्लाह, पराक्रम शर्मा, सुमंत यादव, मो मेहबूब, अनमोल राम, गौरव झा, अंकित झा, शंकर यादव, पप्पू खान, मो फारुख, अनिमेश साहा,इंदु चौबे, गीता देवी, जरीना बीबी इत्यादि समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आमसभा कर अविलंब उक्त पद पर बहाली करने का निदेश

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सेविका / सहायिका का पूर्व में प्राप्त चयन अनुमोदन प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई तथा वैसे आँगनबाड़ी केन्द्र जहाँ पर सेविका / सहायिका का पद रिक्त है, पर आमसभा कर अविलंब उक्त पद पर बहाली करने का निदेश दिया गया। बैठक के दौरान विभाग अंतर्गत संचालित सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लक्ष्य अनुरूप क्रियान्वयन का निर्देश दिया गया। साथ हीएम टी सी दुमका सदर एवं जरमुण्डी में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर बेड के अनुरूप 24 घंटे के अंदर बेड को भरने का निदेश दिया गया तथा नीति आयोग के तहत आँगनबाड़ी सुसज्जीकरण एवं प्रशिक्षण का निर्देश दिया गया।

श्रद्धांजलि देने के लिए शोक सभा आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू विवि के वीसी कांफ्रेंस हॉल में स्वर्गीय भैरो सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित किया गया. बता दें भैरो सोरेन विश्वविद्यालय के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थे और 30 अगस्त को उनका आकस्मिक निधन हो गया था. उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शोक सभा आयोजित किया गया. शोक सभा में उनके सहकर्मियों ने अपना संस्मरण व्यक्त करते हुए कहा स्वर्गीय सोरेन बहुत मृदुभाषी और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे. कुलपति प्रो डॉ. बिमल प्रसाद सिंह ने उनको श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त किया. अंत में 2 मिनट का मौन के साथ शोक सभा समाप्त हो गया और विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय को आज के लिए बंद कर दिया गया. इस सभा में कुलसचिव डॉ. संजय कुमार सिन्हा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव रंजन सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण, शिक्षकगण एवं शिक्षकेतर कर्माचारी आदि उपस्थित थे.

यु जी सेमेस्टर -6 का परीक्षा कार्यक्रम जारी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा शुक्रवार को यु०जी० सेमेस्टर -6 का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया. जारी कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षा 12 से 23 सितंबर तक द्वितीय पाली में आयोजित की जायेगी. उक्त परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय का आधिकारिक वेबसाइटX https://skmu.ac.in/ पर देखा जा सकता है.

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्या, दिया समाधान का आश्वासन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त का साप्ताहिक जनता दरबार लगा।उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने जिले के विभिन्न प्रखंडो से जनता दरबार में आए लोगों ने बारी बारी से अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए समाधान किया जायेगा। फरियादियों की समस्याओं को लिखित आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर उन्हें संबंधित पदाधिकारियों को निवारण को लेकर अग्रसारित किया गया।जनता दरबार में राजस्व से संबंधित, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, एवं जमीन कब्जा जैसे कई अन्य मामले लेकर जनता दरबार में लोग पहुंचे।

जन वितरण प्रणाली विक्रेताओ के साथ समीक्षा बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड दुमका के सभागार में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, दुमका, राजेश कुमार सिन्हा द्वारा सदर प्रखण्ड अन्तर्गत सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओ के साथ समीक्षा बैठक किया गया । समीक्षा बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी - सह - प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, दुमका द्वारा अगस्त 2023 माह के वितरण का जानकारी दिया गया। जिन जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं का अगस्त 2023 का वितरण प्रतिशत कम है, उन सभी को वितरण कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया गया। साथ ही सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को धोती-साड़ी वितरण एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण कर लेने का निदेश दिया गया। पंचायत के तथा वार्ड के सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को यह चेतावनी दिया गया है कि जिनका वितरण प्रतिशत कम होगा, वैसे सभी दुकानों की जाँच के लिए जाँच टीम गठित किया जाएगा तथा जाँच टीम के रिपोर्ट के आधार पर अग्रतर कारवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त ग्रीन कार्डधारियों को खाद्यान्न वितरण तथा पेट्रोल सब्सिडी पर भी ध्यान देने को कहा गया है। साथ ही शतप्रतिशत आधार सीडिंग तथा कार्डधारियों के सभी सदस्यों का मोबाइल नम्बर भी शतप्रतिशत जोड़ने हेतु सूची कार्यालय में जमा करने का निदेश दिया गया है। जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं द्वारा यह बताया गया कि कुछ लाल कार्डधारी और कुछ ग्रीन -कार्डधारी खाद्यान्न लेने नहीं आते है और बाद में शिकायत करते है कि दुकानदार के द्वारा खाद्यान्न नहीं दिया जा रहा है । इस संबंध में सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को यह निदेश दिया गया है कि ऐसे राशन कार्डधारी जो विगत तीन माह से खाद्यान्न लेने दुकान पर नहीं आ रहे हैं, उनका नाम और राशनकार्ड संख्या की सूची तैयार कर दुकान के आगे प्रकाशित करें तथा इसकी लिखित सूचना प्रखण्ड आपूर्ति कार्यालय को उपलब्ध कराये।बैठक में सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता, प्रखण्ड आपूर्ति से संबंधित कर्मी आदि उपस्थित थे।

प्रमंडल स्तरीय एक दिवसीय जल जांच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शुक्रवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या- टू, दुमका के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता निगरानी एवं अनुश्रवण तथा बेहतर पेयजल रखरखाव को लेकर एफ टी के किट के द्वारा प्रमंडल स्तरीय एकदिवसीय जल जांच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कार्यपालक अभियंता अनुज कुमार मिश्र एवं जलसहिया के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ की गई। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक के रूप में नाथजी कायाकल्प रिमेडिज प्राइवेट लिमिटेड मध्य प्रदेश की सहयोगी की द्वारा विभिन्न पमंडल यथा देवघर, जामतारा ,मधुपुर गोडडा ,साहिबगंज, पाकुर एवं दुमका प्रमंडल संख्या वन एवं दो के सभी प्रखंड से चयनित एक एक मास्टर जल सहिया प्रशिक्षण में भाग लिए प्रशिक्षक के द्वारा विस्तारपूर्वक से सभी 11 पारा मीटर को विस्तार पूर्वक से प्रदर्शन कर बताया गया साथ ही साथ जल सहिया के द्वारा अपनी-अपने गांव से ले गए जल स्त्रोत को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जल नमूने की जांच कर जल गुणवत्ता की पहचान करवाई गई। प्रशिक्षण में विभाग के सभी सहायक अभियंता कनीय अभियंता प्रखंड समन्वयक एवं सभी जिला समन्वयक उपस्थित थे।

डिवाइडर को तोड़ते हुए झाड़ियों में घुसा गिट्टी लोड ट्रेलर

दुमक/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोपीकांदर थाना क्षेत्र के दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर गढ़ियपानी के पास शुक्रवार को एक गिट्टी लदा ट्रेलर अंनयत्रित होकर रोड किनारे स्थित डिवाइडर को तोड़ते हुए झाड़ियों में जा घुसा। हालांकि इस घटना से किसी के हताहत की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी-11-सीएल 7970 ट्रेलर जीतपुर मोड़ स्थित क्रेशर प्लांट से गिट्टी लोडकर दुमका की ओर जा रहा था।गढ़ियापानी ढलान के पास अन्य गाड़ी को साईड देने के दौरान ट्रेलर असुंतलित होकर रोड से उतर गया और रोड किनारे स्थित डिवाइडर को तोड़ते हुए झाड़ियों में जा घुसा। बता दें कि घटना के बाद गाड़ी को छोड़ चालक फरार बताया जा रहा है।घटना में ट्रेलर के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया हैं।

गुरू गोष्टी सह मासिक बैठक का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोपीकान्दर स्थित प्रखंड संकुल संसाधन केंद्र में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुरेन्द्र हेम्ब्रम की अध्यक्षता में शुक्रवार को गुरू गोष्टी सह मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आरीचुआं,दलदली,कुशचिरा और दुर्गापुर संकुल के शिक्षक और शिक्षिकाएं शामिल हुए। बैठक में रूआर 2023 की नामांकन सूची, निपुण भारत मिशन,एफ.एल.एन, कीट उपयोग, प्रयास का प्रतिवेदन, बैंक/ पोस्ट ऑफिस में फार्म जमा की संख्या,ड्रॉप आउट नामांकन की स्थिति,वर्गवार एवं कोटिवार नामांकन प्रतिवेदन,ड्रेस डीबीटी सूची,सहायक अध्यापक (पारा) माह-अगस्त 2023 का अनुपस्थित विवरणी एवं साथ में बायोमेट्रिक प्रिंट,रसोइया का मानदेय संबंधित प्रमाण पत्र (प्रपत्र में) आदि विषयों की चर्चा कर आवशयक दिशा-निर्देश दिया गया। मौके पर प्रखंड शिक्षा कार्यक्रम पदाधिकारी समीम परवेज़,आरटी विजय मंडल, नायकी सोरेन,मनीषा मंडल,उमेश हेंब्रम,दीलिप किस्कू,उज्जवल पाल, निलेश टुडू,गोपाल मुर्मू,निर्मला सोरेन, सोमा दास सहित सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्याएं

त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए जांच के आदेश

पाकुड़/झारखंड देखो।

समाहरणालय सभागार स्थित अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मृत्यंजय कुमार बरणवाल के द्वारा जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की समस्याएं सुनी गई। इस अवसर पर शिक्षा विभाग, मनरेगा योजना, जमीन से संबंधित व राशन वितरण संबंधित शिकायते प्राप्त हुई। उपायुक्त ने संबंधित सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी को जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया है।

जनता दरबार में सविता कुमारी के द्वारा आंशिक शिक्षिका के पद पर पुनः बहाली करने से संबंधित आवेदन उपायुक्त को सौंपा। उपायुक्त ने मामले की त्वरित संज्ञान लेते हुए हुए सहायक समाहर्ता एवं डीएसओ की टीम गठित कर संबंधित शिकायत पर जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने कहा कि सभी शिकायतों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए जांच कर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैसे व्यक्ति जो जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करा नहीं पा रहे है। उनके लिए मोबाइल/वाट्सएप नंबर 9264231800 जारी किया गया है। लोग अपनी शिकायत पूर्वाह्न 10.00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। उक्त नंबर पर प्राप्त शिकायतों पर भी गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए कटिबद्ध है। अगर शिकायत सहीं पाए जाते है तो हर हाल में कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मिथ्या शिकायत करने से बचे।मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर चंदन, कार्यपालक दंडाधिकारी रश्मि कांति सहित अन्य उपस्थित थे।

विधायक ने किया बड़तल्ला पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

हिरणपुर (पाकुड़)/झारखंड देखो।

लिट्टीपाड़ा विधायक दिनेश मरांडी ने शुक्रवार अपरान्ह को धोवाडांगा आजाद चौक में करोड़ो लागत के पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा मुख्यमंन्त्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3.11 करोड़ लागत से सड़क का निर्माण किया जाना है। जिसमे तुरसाड-ीह पीडब्लूडी सड़क से बड़तल्ला जामबाद होते हुएपलनिया मोड़ तक 5.320 किमी लम्बी सड़क का निर्माण किया जाएगा। विधायक ने शिलान्यास के मौके पर नारियल फोड़ा व फीता काटकर विधिवत निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बहुप्रतीक्षित इस सड़क की स्थिति बीते कई वर्षों से जर्जर अवस्था मे पड़ा हुआ था। इसके स्वीकृति मिलने से ग्रामीणों में खुशी छाया हुआ है। विधायक ने कहा कि यह पथ का निर्माण हो जाने से क्षेत्र के लोगो को आवागमन में काफी सुविधा होगी। उधर ग्रामीणों ने विधायक समक्ष अपनी अपनी समस्याओं को रखा। जहाँ विधायक ने त्वरित रूप से निदान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर विभाग के सहायक अभियंता प्यारेलाल मरांडी , झामुमो जिला उपाध्यक्ष समद अली , अजीजुल इस्लाम , प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष इसहाक अंसारी , कनीय अभियंता विजय कुमार सिंह , मो.खबीर , अजीमुद्दीन अंसारी , शुभान अंसारी , रहीम अंसारी आदि उपस्थित थे।

एसडीओ ने क्रशर व खदान संचालक के साथ की बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिला अंतर्गत पत्थर खनिज का परिवहन के क्रम में प्रायः यह देखा जा रहा है कि खनिज लदे ट्रैक्टर में 100 सीएफटी का चालान रहता है परन्तु 200-250 सीएफटी चिप्स लोड किया जाता है। *ऐसे खनिजों का अवैध परिवहन मामले की रोकथाम हेतु शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित ने उपस्थित सभी क्रशर संचालकों को सख्त निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में ट्रैक्टर वाहन में 100 सीएफटी चालान के अनुसार ही चिप्स दिया जाय। यदि 100 सीएफटी से ज्यादा चिप्स छापेमारी के क्रम में पाया जाता है तो ज्यादा से ज्यादा ट्रैक्टर को जप्त करते हुए कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित क्रशर यूनिट को सील करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन ट्रैक्टर वाहन में पटरा लगाया जाता है तत्काल अभियान चलाकर उन पर जुर्माने की राशि वसूली करते हुए वेल्डिग के माध्यम से लगाये गये छड़ इत्यादि को कटिंग कराया जाय जिसका खर्च भी वाहन मालिक को उठाना पड़ेगा।मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मु०, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकु-ड़ एवं महेशपुर, जिला खनन पदाधिकारी, खान निरीक्षक, संबंधित अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं क्रशर व खदान संचालक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर

पाकुड़/झारखंड देखो। पाकुड़िया थाना क्षेत्र के बड़ासिंहपुर पंचायत के फूलोंपानी ग्राम में शुक्रवार को जमीन हेंब्रम के साथ जमीनी विवाद को लेकर खेतो में मारपीट करने से जमीन हेम्ब्रम को ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया लाया जहां चिकित्सक डॉ अभय कुमार यादव प्राथमिक उपचार के बाद अंदरूनी चोट लगा है कहकर बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया । जमीन हेंब्रम ने पाकुड़िया थाना में आवेदन देकर विल्सन सोरेन , महान सोरेन एव अन्य पर प्राथमिकता दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया । इस वाबद थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि जांच कर दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

पत्थर से मारकर महिला को किया घायल, मामला दर्ज

हिरणपुर (पाकुड़)/झारखंड देखो। थाना क्षेत्र अंतर्गत मुर्गाडांगा गांव में बीते 24 अगस्त को मरांगबिटी हांसदा (42) को पत्थर से मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इसको लेकर शुक्रवार को हिरणपुर थाना में मामला दर्ज की गई है। घायल महिला ने बताई की बीते 24 अगस्त अपरान्ह तीन बजे पीने का पानी लाने जा रही थी। इस दौरान रास्ते मे गांव के ही डेडमंय मुर्मू , जरमन मुर्मू व सुखी हांसदा ने मिलकर गाली गलौच करने लगा। इसी बात का विरोध करने पर उक्त लोगो द्वारा बड़ा सा पत्थर लेकर मेरे सिर में मारा। जिससे मैं घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। परिवार के सदस्यों द्वारा हमे इलाज के लिए सोनाजोरी स्थित सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस सम्बंध में थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

विद्युत आपूर्ति को लेकर विधायक ने कार्यपालक अभियंता को दिया सख्त निर्देश

हिरणपुर (पाकुड़)/झारखंड देखो। लचर विद्युत आपूर्ति को लेकर शुक्रवार को लिट्टीपाड़ा विधायक दिनेश मरांडी ने विभाग के कार्यपालक अभियंता को सख्त निर्देश देते हुए अविलम्ब सुधार करने को कहा गया। बीते दो दिनों से हिरणपुर व लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति में भारी कटौती की गई थी। जिसकारण क्षेत्र में बिजली की भारी संकट आ पड़ी थी। बीते बुधवार व गुरुवार की रात बिजली नदारद रहने से इस विषम गर्मी में लोगो को भारी परेशानी झेलना पड़ा। वही दिन को भी लोगो को बिजली अभाव में काफी कष्ट झेलना पड़ा। सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र के लोग प्रभावित हुए। जो बिजली न रहने से जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो गया। वही बच्चो में भी काफी असर पड़ा। इसको लेकर विद्युत विभाग प्रति लोगो की सख्त नाराजगी देखी गई। इसको लेकर विधायक ने कार्यपालक अभियंता को सख्त निर्देश देते हुए नियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर कहा गया। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के लोगो द्वारा विद्युत की समस्याओं को लेकर शिकायत किया जा रहा था। लोगो को विद्युत अभाव में काफी परेशान देखा गया ।इसको लेकर विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि क्षेत्र मे नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। इसमे किसी प्रकार की लापरवाही व मनमानी बर्दाश्त नही की जाएगी।

विकास योजनाओं की कार्यो की बिंदुवार जानकारी ली गई

पाकुड़िया (पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड कार्यालय पाकुड़िया प्रांगण स्थित सभागार में शुक्रवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जगदीश पंडित की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई । इस दौरान उपस्थित सभी पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक से पंचायत में चल रही विकास योजनाओं की कार्यो की बिंदुवार जानकारी ली गई। बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पंडित ने आधा अधूरे छुट्टे हुई प्रधानमंत्री आवास एवं बागवानी से संबंधित वृक्षारोपण को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया । साथ ही लागडुम पंचायत में अधूरे पड़े आंगनबाड़ी केंद्र को पंचायत सचिव को जल्द से जल्द पूर्ण करने को कड़ा निर्देश दिया। इस अवसर पर सहायक अभियंता रोहित गुप्ता , कनीय अभियंता लालू रविदास , प्रेम प्रकाश टुडू , पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

अवैध लॉटरी एटीएम टिकट भेजते हुए एक व्यक्ति गिरफ्तार

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)/झारखंड देखो। सिमलोंग ओपी क्षेत्र के घरमपुर बंगला में शुक्रवार को अवैध लौटरी बेचते एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. ओपी प्रभारी टिंकू रजक ने बताया की गुप्त सूचना मिला था कि ओपी क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहे पर हिरणपुर के कुछ लौटरी विक्रेता अवैध तरके से लौटर को खपाया जाता है. इसी को लेकर शुक्रवार सुबह को छापेमारी किया गया जिसमें हिरणपुर थाना क्षेत्र के हिरणपुर बाजार निवासी विपुल कुमार दे को लगभग पांच हजार रुपए का अवैध लौटरी के साथ गुरफ्तार किया गया. इसको लेकर थाना में मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेज दिया गया है. मामले की जांच किया जा रहा है.

मतदाताओं को किया मतदान करने के प्रकिया के बारे में जागरूक

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। उत्क्रमित कन्या उच्च विद्यालय पाकुड़िया में शुक्रवार को कक्षा नवम एवं दशम के छात्राऐ को 18 वर्ष से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के प्रकिया के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान निर्वाचन के मास्टर ट्रेनर के रूप में सह कनीय अभियंता लालू रविदास एवं प्रेम प्रकाश टुडू ने निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में एवं फर्म 6 ,7 एवं 8 क्या है के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चाऐ करते हुए जानकारी देकर छात्राओं को जागरूक किया।साथ ही शिक्षक शिक्षिकाऐ को वर्गवार एप निर्वाचन साक्षरता मत्व को गठन करने हेतू दिया गया निर्देश । मौके पर बीएलओ रेखा देवी , विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाऐ एवं छात्राऐ उपस्थिय थी।

डीसी ने हरणिडंगा उच्च विद्यालय परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

विज्ञान प्रदर्शनी में जिले के चार विद्यालयों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

पाकुड़/झारखंड देखो।

उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने आज शुक्रवार को हरिणडंगा उच्च विद्यालय परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी वास्तव में बच्चों के बीच जिज्ञासा पैदा करने, उनकी रचनात्मकता और कल्पना को उजागर करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों के वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह छात्रों को एक मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि इस विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से हमारे छात्रों में अधिक रचनात्मकता और जागरूकता बढ़ेगी जो बाद में उन्हें अपने वैज्ञानिक स्वभाव को प्रदर्शित करने में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को बताया कि आपकी लाइफ में महत्वपूर्ण क्या है, यह जानना बहुत जरूरी है। उपायुक्त ने हरिणडंगा उच्च विद्यालय में करियर काउंसलिंग लगाने का निर्देश दिया। करियर काउंसलिग से छात्रों को मिलेगा मार्गदर्शन।

मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती रजनी देवी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज, प्रधानाचार्य समेत अन्य उपस्थित थे।

दो माह से हावड़ा में फंसे आधा दर्जन पहाड़िया बच्चों की समिति ने करवायी घर वापसी

विजयवाड़ा में काम करवाने के लिए नाबालिगों को ले जा रहा था मुर्शिदाबाद का एक दलाल

हावड़ा स्टेशन पर आरपीएफ ने दलाल को कर लिया था गिरफ्तार, बालगृह में रह रहे थे बच्चे

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिले के गोपीकांदर प्रखण्ड के आधा दर्जन पहाड़िया बच्चों को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का एक दलाल काम कराने के लिए विजयवाड़ा ले जा रहा था। हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने इन सबों को पकड़ लिया और गोपीकांदर की पांच नाबालिग लड़कियों एवं एक लड़के को वहां के बालगृह में आवासित कर दिया। बाल कल्याण समिति ने हावड़ा के सीडब्ल्यूसी से संपर्क कर इन छहों बच्चों की घर वापसी करवा दी है। राजनैतिक कार्यकर्ता एहतेशाम अहमद ने 15 दिनों पूर्व इस मामले की जानकारी समिति को दी थी। उन्होंने बताया था कि दलाल ने नाबालिग बच्चों के आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर उनकी जन्म तिथि

बदल दी थी पर जांच में यह तथ्य पकड़ में आ गया जिस कारण वहां की पुलिस ने दलाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और बच्चों को बालगृह में रख दिया। केश हो जाने के कारण अभिभावक अपने बच्चों को लाने के लिए हावड़ा जाने से डर रहे थे।चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार ने हावड़ा सीडब्ल्यूसी और वहां के बालगृह के इंचार्ज से संपर्क कर दुमका डीसीपीओ के माध्यम से सभी बच्चों का गृह सत्यापन करवाते हुए एसआईआर भेजवाया। अंततः छहों बालक-बालिकाओं के अभिभावक हावड़ा गये जहां उन्हें बच्चों को सौंप दिया गया। हावड़ा सीडब्ल्यूसी ने 10 सितम्बर तक सभी बालकों को दुमका सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत होने का निर्देश देते हुए घर पोर्टल पर यह सूचना अपलोड कर दिया था। इस निर्देश के अनुरूप गत दिनों गोपीकांदर की पांच नाबालिग लड़किया और एक नाबालिक लड़का अपने अभिभावक के साथ समिति के समक्ष उपस्थित हुए। चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डॉ राज कुमार उपाध्याय, कुमारी विजय लक्ष्मी और नूतन बाला ने पांचों लड़कियों व एक लड़के एवं उनके अभिभावकों का बयान दर्ज करते हुए इस मामले की सुनवायी की। अपने बयान में इन लोगों ने बताया कि मुर्शिदाबाद का सादीकुल नामक दलाल, गांव के दो लड़के और पांच लड़कियों को 30 जून 2023 को भवन निर्माण में काम करने के लिए विजयवाड़ा ले जा रहा था। वे सभी गांव से अमड़ापाड़ा और वहां से पाकुड़ गये। पाकुड़ से वे लोग ट्रेन से बर्धवान और वहां से हावड़ा रवाना हुए। 01 जुलाई को हावड़ा स्टेशन पर पुलिस ने उन सब को पकड़ लिया। जांच के बाद 18 वर्ष से अधिक आयु का होने के कारण एक को छोड़ दिया गया। गांव की पांच लड़कियों व एक लड़के को वहां के चिल्ड्रेन होम में में रख दिया गया। 24.08.23 को सभी को उनके अभिभावकों को सौंप दिया गया। समिति ने चाइल्ड लेबर की श्रेणी में छहों को सीएनसीपी घोषित करते हुए उनके अभिभावकों के साथ घर भेज दिया है। ये सभी 14 से 17 वर्ष के हैं और ड्रॉपआउट हैं। समिति इन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ते हुए इनके पुनर्वास के लिए डीसीपीओ दुमका को निदेशित किया है।

संक्षिप्त समाचार

9 सितंबर को व्यवहार न्यायालय में होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नालसा,नई दिल्ली एवं झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में 9 सितंबर, शनिवार को प्रातः 10:30 बजे से व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में कंपाउंडेबल केसेस, एनआई एक्ट केसेस, एमएसीटी एक्ट, फैमिली कोर्ट केसेस, लेबर एक्ट, सिविल केसेस, बैंक रिकवरी केसेस, इलेक्ट्रिसिटी केसेस, फॉरेस्ट केसेस, एक्साईज केसेस आदि संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का प्री काउंसलिंग सिटिंग जो 9 जुलाई से ही प्रारंभ है जिसमें अब तक सैकड़ो वादों का निष्पादन किया जा चुका है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा ने सर्वसाधारण से अपील की है कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वादों का निपटारा कर लाभ उठाएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, बिश्वनाथ भगत ने बताया कि झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा दिनांक 1 जुलाई से 30 सितंबर तक विशेष मध्यस्थ अभियान चलाया जा रहा है मध्यस्थता द्वारा मुकदमे के निपटारे में समय कम लगता है और धन की बचत होती है।

लाभुकों ने की डीलर के खिलाफ कारवाई की मांग

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को काठीकुंड प्रखंड अंतर्गत बड़तल्ला पंचायत के सैकड़ों कार्डधारियों ने जनवितरण प्रणाली दुकानदार द्वारा नियमित रूप से अनाज नहीं देने की शिकायत को लेकर प्रखंड विकास

पदाधिकारी राजनीश कुमार को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की। जानकारी के अनुसार बड़तल्ला पंचायत के घासीपुर,कनहाईडीह,भिलाईकांदर, धुमनाही,बलिया,तेतुलमाट, बरामसिया समेत विभिन्न गांवों के लाभुकों ने डीलर की मनमानी के खिलाफ प्रखंड कार्यालय पहुंचकर आक्रोश प्रकट किया।मौके पर बीडीओ सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रजनीश कुमार ने कार्डधारियों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराते हुए जिन जिन कार्डधारियों को अनाज नहीं मिलने की सत्यता सामने आयेगी,उनको बकाया राशन दिलाने का काम सुनिश्चित किया जायेगा।

वासेपुर के गैंगस्टर प्रिस खान के घर पुलिस ने की कुर्की जप्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। धनबाद। धनबाद के वासेपुर निवासी कुख्यात गैंगस्टर प्रिस खान के घर पर कुर्की जप्त करने के लिए कई थाने की पुलिस बूलडोजर लेकर पहुंची। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जप्ती के दौरान खान के घर के खिड़की, दरवाजे उखाड़कर पुलिस साथ ले गई। पुलिस ने अपने साथ मजदूरों के अलावे जेसीबी मशीन भी लेकर पहुंची। भारी संख्या में पुलिस को देखकर क्षेत्र में हड़कंप है। आम लोगों का कहना है कि पुलिस से पंगा लेना अब गैगस्टर प्रिस खान को अब भारी पड़ने वाला है। कुर्की से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि धनबाद पुलिस बहुत जल्द प्रिस खान को पाताल से भी ढूढ़ निकालेगी। कुर्की करने गई पुलिस ने प्रिस खान के घर का दरवाजा खिड़की तोड़कर बाहर निकाला। बैंक मोड़ थानेदार प्रभात रंजन ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर कुर्की किया जा रहा है। बताया कि यह कुर्की कई घंटों तक चलने की उम्मीद बताई जा रही है।

सुरभि शाखा का उन्नत फेस्टिवल मेला 3 से 5 सितंबर तक

जमशेदपुर। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा तीन दिवसीय 3 से 5 सितंबर तक उन्नत फेस्टिवल मेला (प्रदर्शनी सह बिक्री) का आयोजन तुलसी भवन बिष्टुपुर में किया जा रहा है। तीनों दिन मेला सुबह 10 से रात 9 बजे तक चलेगा। यह जानकारी सुरभि शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल, कार्यक्रम संयोजिका प्रीति झाझरिया एवं प्रीति अग्रवाल ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु आयोजित हो रहे इस मेले में सुरभि शाखा द्वारा ऐसी कई महिलाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया हैं, जो घर में खाना बनाकर रोजगार कर रही है। इस मेला में एक ही छत के नीचे कुर्ती, साड़ी, गिफ्ट आइटम, चादर, बांदरवाल, लड्डू गोपाल की पोशाक, ज्वेलरी, हाथ के बने हुए मंगोड़ी, पापड़, अचार उचित मूल्य में प्राप्त होगा। साथ ही समय की बचत भी होगी। इसे सफल बनाने में सुरभि शाखा की सभी महिलाएं लगी हुई हैं।

गाड़ियो की तलाशी क्रम में पुलिस ने तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हजारीबाग। दिनांक 31.08.23 को समय करीब 18.00 बजे सध्या गस्ती में पुलिस पदाधिकारी स०अ०नि० तरुण कुमार महतो सशस्त्र बल के साथ प्रस्थान किये संध्या गस्ती के क्रम में वाहन चेकिंग के दौरान छोटे एवं बड़े गाडियो की तलाशी लिया जा रहा था इसी क्रम में एक मोटरसाईकिल एवं उसमें 3 सवार व्यक्ति को पकड़ लिये तलाशी के क्रम में दो व्यक्ति अधेरे का फायदा उठाकर भाग गये एवं पकडे व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम सुदामा रजक पिता बालदेव राम रजक ग्राम गोसाई बलिया थाना बडकागांव जिला हजारीबाग बताया। कड़ाई से पुछने पर सहयोगियों के भागे जाने के बारे में पूछने पर बताये कि इनलोगों के द्वारा बाबा गिरोह उर्फ पाण्डेय गिरोह में अवैध रूप से हथियार एवं गिरोह के नाम पर भय दिखा कर पावसुली का काम किया जाता है। पूर्व में ये लोग टायगर ग्रुप में काम करते थे फिर टायगर ग्रुप छोड कर ये लोग अपना बाबा हि उर्फ पाण्डेय गिरोह में रहकर सक्रीय रूप से फोन कर धमकी

देने एवं पैसा वसुली करने का काम करते आ रहे थे। व्यक्ति की तलाशी के क्रम में उसके पास से 1. एक देशी कट्टा, 2. दो जिन्दा गोली 3 तीन android सेट मोबाईल एवं एकक कीपैड मोबाईल 4 मोटरसाईकिल होन्डा एस० पी० 125, रजिस्ट्रेशन नं0 अंकित नही 5. अवैध पैसा वसुली से संबंधित कागजात जिसमे वसुली की रकम नाम एवं दिनांक सहित लिखा हुआ है जिसे जप्ती सूची बनाकर जप्त किया एवं उक्त व्यक्ति का विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

- **अपराधिक इतिहासः-**

1. बडकागांव थाना कांड सं0 89/14 दिनांक 09.06.14 धारा-399/402 भा0द0वि० । 2. बडकागांव थाना कांड सं0 94/15 दिनांक 20.10.15 धारा 414/34 भा0द0वि0, 30 (ii) कॉल माईन्स एक्ट एवं 33 भारतीन वन अधिनियम ।

- **गिरफ्तार अभियुक्तः**

सुदामा रजक पिता बालदेव राम रजक ग्राम गोसाई बलिया थाना बडकागांव जिला - हजारीबाग।

- **बरामदगीः-**

1. एक देशी कट्टा 2. दो जिन्दा गोली, 3 तीन android सेट मोबाईल एवं एक कीपैड मोबाईल 4. मोटरसाईकिल होन्डा एस0 पी0 125, रजिस्ट्रेशन नं0 अंकित नही 5. अवैध पैसा वसुली से संबंधित कागजात जप्त किया गया है।

प्रतिबंधित जाल को डैम से हटा लें अन्यथा होगी कानूनी कार्रवाई

निरसा। सरकार के आदेश पर मतस्य प्रसार पदाधिकारी धनजीत कुमार और संतोष कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को पंचेत डैम व कालूबथान क्षेत्र के घाटों के आसपास माइक से मुनादी की गई। कहा कि पंचेत डैम में प्रतिबंधित मोसारी, चट, कोचाल जाल इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक है। एक हप्ते के अंदर डैम में डाले गए प्रतिबंधित जाल हटा लें अन्यथा उसे जप्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस जाल के प्रयोग से अविकसित, छोटे मछली और अंडे बर्बाद हो जाते हैं। बता दें कि पंचेत डैम निर्माण के बाद से विस्थापित सैकड़ों ग्रामीण मछली पकड़कर जीवकोपार्जन करते आ रहे हैं। लेकिन डैम में प्रतिबंधित जाल के उपयोग इनका रोजगार प्रभावित हो रहा था। डैम में प्रतिबंधित जाल पर रोक लगाने के लिए बरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुधांशु शेखर झा के नेतृत्व में मछुआरों ने मंत्री बादल पत्रलेख से मिलकर समस्या से अवगत कराया था। डीसी से मिला। अंचल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया।

सुरक्षा कर्मी को बंधक बनाकर कोलियरी से 3 लाख 50 हजार के लोहा लूट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। ईसीएल मुगमा एरिया के कुमारधुबी कोलायरी स्थित भाग्यलखी इंक्लाइन में गुरुवार की देर रात हथियार से लैस 20 से 25 की संख्या में अपराधियों ने धावा बोल कर दो सुरक्षा को बंधक बनाया और कोलियरी परिसर में रखे 3 लाख 50 हजार रुपये के लोहा लूट ली। स्वीच रुम में तैनात कर्मी को फोन करने पर गोली मारने की धमकी भी दिया। जब अंडर ग्राउंड से कर्मी सिफ्ट खत्म होने पर बाहर आए और चोरों को ललकारा। एरिया सुरक्षा

गस्ती दल को घटना की सुचना दी गई। जिसके बाद अपराधी भाग गए। सुरक्षा गस्ती दल ने लूटे गए लोहे की बरामदगी पास के जंगल से कर ली। अपराधियों ने फिर सुबह होते ही बरामद सामग्री को लूट कर ले गए। रात पाली में ड्यूटी कर रहे कर्मी 100 पर डायल पर कॉल कर जानकारी देनी चाही तो कोई रिसपांस नहीं मिला। जब कोलियरी प्रबंधक केआरपी सिंह को घटना की जानकारी देनी चाही तो उनका मोबाइल बंद था। नाराज कर्मियों ने बीसीकेयू नेता रामजी यादव के नेतृत्व में उत्पादन ठप कर दिया। मजदूर प्रबंधन को ही चोरी कराने का गुनहगार बताने लगे। आरोप भी लगाया कि प्रबंधन चोरों के साथ सांठगांठ कर चानक पीट टू कोलियरी के हजारों टन लोहा बेच दिया। आक्रोशित कर्मियों को समझाने के लिए अभिकर्ता मनोज कुमार राय, प्रबंधक केआरपी सिंह पहुंचे तथा कर्मियों को आश्वस्त किया कि कोलियरी परिसर के लोहे को एरिया गोदाम भेज दिया जाएगा। सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढायी जाएगी। स्थानीक थाना से गश्ती बढ़ाने के लिए सूचना दी जाएगी।

बीपी नियोगी अस्पताल में स्वास्थ्य जांच शिविर

निरसा। डीवीसी कर्मियों एवं पेंशनधारियों के लिए मैथन बीपी नियोगी अस्पताल में शुक्रवार को आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल दुर्गापुर के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र, आर्थोपेडिक, जेनेरल मेडिसिन से संबंधित 117 मरीजों की जांच की गई। उदघाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ उमेश कुमार, डॉ संगीता रानी, डॉ एस मल्लिक, डॉ पी के घोष, डॉ मलाबोती हेंब्रम, डॉ मौर्य गुहा, डॉ इंद्रदीप गांगुली एवं डॉ पौलमी लाहीड़ी ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ यू कुमार ने कहा कि डीवीसी चिकित्सा पर विशेष ध्यान दे रही रही है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने पर ज़ोर दिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों से मरीज को सही बीमारी का पता लगता है। वहीं आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के विशेषज्ञयों ने डीवीसी के प्रयास की सराहना की। कहा कि निगम की इस पहल से लोगों इसका लाभ मिलेगा। शिविर में ईसीजी के साथ अन्य रूटीन चेक अप भी किया गया। शिविर को सफल बनाने हेतु मेट्रोन एमिली जोश, रमा सील, पी चक्रवर्ती, स्वर्णमोई साहा, महेन्द्र राम, देबाशीष, बिट्टू मण्डल, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डुमरी उप चुनाव को ले जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो का दौरा

कहा, देश में अगले चुनाव में मोदी सरकार का पत्ता साफ होना तय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी/ जनता दल यूनाइटेड के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद खीरू महतो ने शुक्रवार को डुमरी के इसरी बाजार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी बेबी देवी के समर्थन में जदयू के एक एक कार्यकर्ता जूटे हुए हैं और उपचुनाव तक जूटे रहेंगे।कहा कि बेबी देवी भारी मतों से चुनाव जितेगी तथा अपने दिवंगत पति जगरनाथ महतो के सपनों का खुशहाल डुमरी विधानसभा बनाएंगी।कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक सेंट्रल स्तर पर चल रही है।इस बार के चुनाव में मोदी सरकार का पता

साफ होना तय है।और इस डर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेचैनी बढ़ने लगी है।

कहा कि भाजपा की सरकार ने सरकारी भर्तियां बंद कर दी है,सभी संस्थाओ को निजीकरण करके कॉट्रेक्ट के आधार पर बहाली होने लगी है,देश के नौजवान युवाओं को बेरोजगारी के कुवां में धकेल दी है,कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि हर साल दो करोड़ बेरोजगारों को नौकरी देंगे लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया।देश की जनता इसकी मोदी की चापलूसी समझ ली है।सही समय में सही जवाब देने के लिए जनता तैयार है।महंगाई अपनी चरम सीमा पार कर रही है पर मोदी सरकार इसका कोई सुध नहीं ले रही हैं।

इस दौरान प्रदेश सचिव लकेश्वर महतो जिलाध्यक्ष त्रिभुवन दयाल प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह व श्रवण कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अफताब अली प्रदेश सचिव सुभाष राय व मनोज सिंह प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार बोकारो जिलाध्यक्ष प्रदीप महतो बोकारो युवा जिलाध्यक्ष रुपेश पासवान जिला उपाध्यक्ष राजा पांडे महासचिव गोपाल महतो,डॉ प्रकाश नारायण डुमरी विधानसभा प्रभारी डुमरचंद महतो,सुभाष राय,पिन्टू सिंह, अशोक कुमार, सुभाष सिंह,विनय सिंह,गोपालचंद्र गोप, शंकर मंडल,महेंद्र प्रसाद,राजेन्द्र वर्मा, शेखर सिंह, कृष्णा सिंह,बैजनाथ पासवान,अकरम अंसारी आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

18 वर्षों में डुमरी में विकास की गति बिल्कुल धीमी रही है: सुनील सोरेन, सांसद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह/ दुमका के भाजपा सांसद सुनील सोरेन ने इसरी बाजार में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कहा कि डुमरी विधानसभा उपचुनाव में एक तरफ एनडीए है तो दूसरी तरफ जेएमएम और कांग्रेस की प्रत्याशी है,जहां पूर्व में जेएमएम ने झारखण्ड को बेचने का काम किया और कांग्रेस ने खरीदने का काम किया था, वर्तमान में आज दोनों एक साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं,और सरकार का आलम यह है कि विकास की गति अवरूद्ध होकर रह गई है, केवल वादों के नाम पर जनता को छलने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज राज्य में चारो तरफ असंतोष व्यापत है,वहीं केंद्र की योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए गरीबों के लाभ प्रधान मंत्री आवास योजना,आयुष्मान कार्ड योजना,घर घर शौचालय, प्रत्येक व्यक्ति को 5 किलो राशन, सहित अनगिनत योजनाओं का लाभ

राज्य की जनता उठा रही है।

वही 30 अगस्त को एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की जनसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने के मामले में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं कांग्रेस के नेता पेयजल व स्वच्छता मंत्री मिथलेश ठाकुर के सवाल पर कि रामगढ़ में एनडीए बाईफॉल्ट जीत गई थी, के जवाब में कहा कि मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है, यहां का माहौल देख रहा हूं 18 वर्षों में डुमरी में विकास की गति बिल्कुल धीमी होकर रह गई है और सरकार से लोग नाराज हैं, इसका फायदा एनडीए को मिलेगा और हम डुमरी विधानसभा का उपचुनाव जीतेंगे।इस दौरान पंकज सिंह,मनोज सोरेन,आदित्य पांडेय आदि उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सूर्य मंदिर में धंधेबाजी करने वाले समूह की अब नहीं चलेगी, जनता के सामने उनकी असलियत लाएंगे : सरयू राय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ सिदगोडा सूर्य मंदिर की आड़ में धंधेबाजी करने वाला एक समूह, जिसमें से कुछ लोग भाजपा से भी जुड़े है, विगत तीन दिनों से मीडिया में मेरे विरूद्ध आपत्तिजनक भाषा में ग़लतबयानी कर रहे हैं। यह बातें जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा। उन्होंने कहा कि मैं

इस बारे में मैं बताना चाहता हूँ कि:-

1. सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में मेरी विधायक निधि से वही कार्य हो रहे हैं जिस तरह के कार्य 2005 से 2019 के बीच तत्कालीन विधायक विधायक द्वारा विधायक निधि से हुए हैं। बल्कि पुरानी गलतियों को सुधारा जा रहा है। वहाँ बहुत दिनों से शंख की आकृति जमीन पर रखी हुई है। भ्रमण के दौरान शंख पर जूता, चप्पल पहने हुए बच्चे, बुजुर्ग महिला एवं पुरूष खड़ा होते हैं, खाते-पीते हैं। चहलक़दमी करते हैं, शंख पर चढ़कर फ़ोटो खींचते हैं। ऐसी गतिविधियों से शंख का अपमान होता है। आश्चर्य है कि सूर्य मंदिर समिति के धंधेबाज़ों की धार्मिक आस्था को इससे चोट नहीं लगती। मेरी विधायक निधि से शंख मैदान का सौंदर्यीकरण होना है जिसमें शंख को ऊंचा चबूतरा बनाकर उपर रखना है। साथ ही श्रीमद्भागवत गीता में वर्णित भगवान कृष्ण एवं पांडवों के शंखों की प्रतिकृतियाँ उकेरनी हैं। शंख को सम्मान देने का क्रियान्वयन होना है।.इसमें ऐसा क्या है जो विरोध लायक़ है। इसके अलावा सुगंधित पुष्पों के पौधे चारों ओर लगने हैं। अंतर इतना ही है कि पहले शंख मैदान उद्यान तक पहुँचने के लिए लोगों को प्रति व्यक्ति 5 रूपये का टिकट कटाना पड़ता था और अब यहाँ पर प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इसके अलावा पहले इसपर सूर्य मंदिर की आड़ में धंधेबाज़ों का क़ब्ज़ा था जो हर व्यक्ति से 5 रू वसूलते थे अब इसकी मालिक जनता रहेगी। जेएनएसी इसका संचालन और देखरेख करेगा, धंधेबाज़ों को दूर रखा जाएगा।

2. शंख मैदान के सामने एक सड़कनुमा रास्ता है, पाम ट्री की

फेंसिंग है और थोड़ी दूर पर सोन मंडप की दीवार है। दीवार और फेंसिंग के बीच के लंबे मैदान में पूर्ववर्ती विधायक की निधि से घड़ियाल एवं अन्य वन्यजीवों की आकृतियाँ बनी हैं, झूलानुमा लोहे के पोल हैं. जो जर्जर हो गये हैं। मेरी विधायक निधि से यहाँ बॉलीबाल और कबड्डी के कोर्ट बन रहे हैं तो क्या ऐसा अपराध हो गया कि धंधेबाज़ इसे धर्म विरोधी बताने लगे हैं।

3. इस परिसर में दो तालाब बने हैं. दोनों सरकारी पैसे से बने हैं. दोनों की भी मरम्मत, आधुनिकीकरण विधायक निधि, पर्यटन विभाग की निधि से होती आ रही है। तालाबों में शुरू से छठ होता है। दोनों तालाबों में सैर के लिए 2011-12 में विधायक निधि से दो बड़े पैडल बोट 1,85,000/- के व्यय पर ख़रीदे गए। चलते रहे. इनका कबाड़ हो चुका ढाँचा बग़ल में आज भी फेंका हुआ है। अब मैं अपने विधायक निधि से इनमें चलने वाली बच्चों की छोटी पैडल बोट ख़रीद रहा हूँ तो इसका ये विरोध कर रहे हैं। इन्हें छठ पर्व की आस्था और पवित्रता पर चोट लगता दिख रही है। अंतर क्या हुआ? पहले ये धंधेबाज़ यहां के मालिक बने बैठे थे। अब तालाब का मालिक जनता बन रही है। इसपर जेएनएसी का नियंत्रण हो रहा है, तो इनके पेट में दर्द हो रहा है।

4. ये लोग कल 2 सितंबर को मेरे विधानसभा क्षेत्र के मंडलों में मशाल जुलूस निकाल रहे हैं। 4 सितंबर को उपायुक्त के सामने प्रदर्शन करने वाले हैं। मैं आज शाम 5.30 बजे उपायुक्त से मिल रहा हूँ। उन्हें बताऊँगा कि मैं पूरे जमशेदपुर में इनका कारनामा घर घर पहुँचाऊँगा..4 सितंबर को प्रदर्शन के समय उपायुक्त इनकी संख्या ड्रोन कैमरा से पता कर लें। मैं उससे दो गुना से अधिक संख्या लेकर उनके पास जाऊँगा. इतना ही नहीं पूरे झारखंड में, सभी ज़िला मुख्यालयों पर जाकर इनके कारनामों की पोल खोलूँगा। भाजपा के जमशेदपुर, कोल्हान, झारखंड के कार्यकर्ताओं, नेताओं को बताऊँगा कि जमशेदपुर में इनकी पार्टी के धंधेबाज़ धर्म और मंदिर की आड़ में क्या गुल खिला रहे हैं।

5. धंधेबाज़ों को पहले की तरह यहाँ की सरकारी ज़मीन और सरकारी खर्च पर बनी संरचनाओं पर क़ब्ज़ा चाहिए. यहाँ से धंधा करने का मौक़ा चाहिए. 2019 में जमशेदपुर की जनता ने विधायक पद छीन लिया और इस सम्पत्ति के हाथ से निकलने का भय सताने लगा तो क़ब्ज़े को संस्थात्मक आड़ देने के लिए इन्होंने 2021 में सूर्य मंदिर समिति का रजिस्ट्रेशन कराया. (रजिस्ट्रेशन नं॰ 224, वर्ष 2020-21). इनकी अवैध गतिविधियों को देखते हुए उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम ने 3022 में पत्रांक-2162, दिनांक 29.12.2022 द्वारा निबंधन महानिरीक्षक, राँची को पत्र लिखा कि इस संस्था का निबंधन रद्द करें. इसके बाद पत्रांक -13/वि॰ विविध संस्था- 01/2023, दिनांक 24.1.2023 को सूर्य मंदिर समिति से स्पष्टीकरण पूछा कि क्यों नहीं आपका निबंधन रद्द कर दिया जाय।

6. दिसंबर 2021 में धंधेबाज़ों ने चिल्ड्रन पार्क को तोड़कर कहीं ले जाने ले जाने की प्रक्रिया शुरू की तो लोगों ने रोका। पर्यटन विभाग के लिखने पर सिदगोडा थाना में एफआईआर संख्या-15/22, दिनांक 19.1.2022 दर्ज हुआ।

7. इस बारे में मैं सोमवार को सचिवालय खुलने के बाद निबंधक महानिरीक्षक से पूंछूंगा कि निबंधन रद्द करने के बारे में क्या प्रगति हुई है?

मैं कल संवाददाताओं को आमंत्रित कर विस्तार से बताऊँगा कि विगत वर्षों में सूर्य मंदिर परिसर निर्माण और सौंदर्यीकरण में क्या क्या हुआ है और जो हुआ है, वह धरातल पर

संक्षिप्त समाचार

संतुलन खोकर खेत मे घुसी यात्रियों से भरी बस

गिरिडीह। गिरिडीह शहर से पिहरा जा रही एक बस अपना संतुलन खोकर खेत मे जा घुसी। जिसमे एक महिला घायल हो गई।

घटना के संबंध में बताया जाता है गिरिडीह से पिहरा जा रही यादव डीलक्स बस ने नावाडीह के पास अपना संतुलन खो दिया और डायवर्शन को तोड़ते हुए खेत मे चली गयी। बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे। जिसमें एक महिला घायल हो गयी। बाकी यात्रियों को कोई चोट नही लगी।

बताया जाता है कि बस का स्टेरिंग लॉक हो गया था। जैसे ही बस नवाडीह पहुँची ड्राइवर ने मोड़ पर बस को मोड़ा। लेकिन उसके बाद स्टेरिंग लॉक हो गया और बस सीधा मुड़ने की बजाय डायवर्सन को तोड़ते हुए खेत मे चली गयी।

इधर घटना की खबर पाकर स्थानीय लोग पहूंचे और बस में सवार लोगों को बाहर निकाला। सभी यात्री सुरक्षित थे। वहीं एक महिला घायल हुई थी। जिसे स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष की शिकायत

गिरिडीह। ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट,झारखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि जिले के डुमरी उपचुनाव में क्षेत्र के एक प्रत्याशी के समर्थन में एक यूटुबर द्वारा जबरन लोगों से कहलवाए जाने को लेकर कि ब्राह्मण समाज के लोग उन्हें वोट देंगे,यह बिल्कुल असत्य,निराधार और इस निर्वाचन को प्रभावित करने वाला प्रतीत होता है। इस संबंध में देश के विभिन्न राज्यों में विस्तारित ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट ने इस कुकृत्य की कड़ी निंदा करते हुए लोगों से आग्रह किया है कि आपसी सौहार्द व सद्भावना को क्षति पहुंचाने वाले ऐसे लोगो की पहचान कर उनके कुत्सित प्रयास का सामना करे।

ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट,झारखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश तिवारी ने शुक्रवार 1 सितंबर को भारत निर्वाचन आयोग,नई दिल्ली के पास उक्त संबंध में शिकायत दर्ज कराते हुए आग्रह किया कि गिरिडीह जिले के डुमरी विधान सभा क्षेत्र में होने जा रहे उपचुनाव के पूर्व किए गए इस मामले पर कार्रवाई की जाए।जिसपर आयोग ने संज्ञान लेते हुए संबंधित यूट्यूबर पर त्वरित कार्रवाई प्रारंभ कर दिया है।जिसकी जानकारी भारत निर्वाचन आयोग तथा सहायक निर्वाची पदाधिकारी,डुमरी के माध्यम से प्राप्त हुई है।

डुमरी उपचुनाव को ले सभी सेक्टर पदाधिकारी व सेक्टर पुलिस पदाधिकारी का किया गया संयुक्त ब्रीफिंग

डिस्पैच से क्लस्टर व पोल डे के दिन सुबह-सुबह क्लस्टर से मतदान केंद्र पहुंचने के बारे में दी गई विस्तारपूर्वक जानकारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह/ डुमरी विधानसभा उप निर्वाचन के निमित्त दिनांक 01.09.2023 को प्रखंड कार्यालय डुमरी के सभा कक्ष में सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की गई । ब्रीफिंग में पुलिस ऑब्जर्वर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गिरिडीह, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह एवं पुलिस अधीक्षक बोकारो,निर्वाची पदाधिकारी,पुलिस उपाधीक्षक सहायक निर्वाची पदाधिकारी

प्रशिक्षण कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में गिरिडीह जिला के डुमरी प्रखंड एवं बोकारो जिला के नावाडीह एवं चंद्रपुरा के सेक्टर ऑफिसर एवम सेक्टर पुलिस पाधिकारी को डिस्पैच से क्लस्टर एवं पोल डे के दिन सुबह-सुबह क्लस्टर से मतदान केंद्र पहुंचने के बारे में बताया गया। सुरक्षा मानकों से संबंधित सावधानियों के बारे में बताया गया। मतदान के दौरान एवं मतदान के समाप्ति पश्चात की जाने वाली चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। मतदान में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों की जानकारी एवं उसको भरने का तरीका भी बताया गया। सभी सेक्टर पर अधिकारियों को ईवीएम, सीयू बीयू एवं वीवी पैट को संयोजन कर मॉक पोल करने का हैंड्स ऑन ऑन ट्रेनिंग दिया गया। मॉक पोल के समाप्ति के बाद एक्चुअल वोटिंग में प्रयुक्त करने हेतु मॉक पोल के दौरान दिए गए वोट को को क्लियर करने एवं वीवीपैट स्लिप निकालकर स्लिप के पीछे मॉक पोल का मोहर लगाने के बाद उसे काले लिफाफे में सील करना, वास्तविक मतदान के लिए ईवीएम को पेपर सील और स्पेशल टैग से सील करने की प्रक्रिया बताई गई। मॉक पोल के दौरान एवं वास्तविक मतदान के दौरान एवं में खराबी आने पर रिप्लेसमेंट करने के बारे में एवं उससे संबंधित प्रपत्र भरने के बारे में भी बताया गया।

ओबीसी का दुश्मन है बाबुलाल, झारखंड की जनता कभी माफ नही करेगी: रूपेश कुमार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

इचाक । आदर्श युवा संगठन के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार ने ओबीसी आरक्षण पर बाबुलाल मरांडी के कार्यकाल में 27% आरक्षण कटौती कर 14% करने पर राज्य की राजनीति वर्चस्व पर कटाक्ष किया है।रूपेश कुमार ने कहा कि बाबुलाल मरांडी ने ओबीसी समाज के लिए सबसे बड़े दुश्मन नेताओ में साबित हुए है।उन्ही का कुकृत झारखंड के ओबीसी जनता को नौकरी के लिए झेलना पड़ रहा।आज वे राज्य में किस मुह से चेहरा दिखा रहे ये समझ से परे है।ओबीसी समाज के लोग इनको राजनीति रूप से कतहि स्वीकार नही करेंगे।आज ओबीसी की संख्या पुरे भारत वर्ष में अधिक होने के बाबजूद भी नौकरी के लिए तरस रहे।जब से मुख्यमंत्री बने तब से आज तक जनता को इनके दुष्परिणाम को देखने मिला।आगामी 5 सितंबर को बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र की जनता को अपील करते हुए कहा कि ऐसे नेता को बुरा विधानसभा क्षेत्र के ओबीसी समाज इनके कार्यक्रम को बहिष्कार करने का अपील किये। बाबूलाल मरांडी का नीति ओबीसी की प्रति साफ नहीं है 27 प्रतिशत आरक्षण से 14प्रतिशत किया। आने वाला दिनों में जीरो कर देगा। इतना होते हुए भी ओबीसी के लोग दरी विछाने और कुर्सी लगाने के साथ-साथ जिंदाबाद नारा में बिजी रहते हैं।

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग विभेदीकरण पर संगोष्ठी आयोजित

डुमरी। झारखंड कॉलेज में शुक्रवार को वूमेन सेल के आईक्यूएससी द्वारा प्रायोजित महिला सशक्तिकरण, संवेदीकरण,लिंग विभेदीकरण पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।सेमिनार के मुख्य वक्ता आरके महिला कॉलेज गिरिडीह के जंतु विज्ञान के एचओडी प्रो नम्रता थी।कार्यक्रम की शुरुआत संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि प्रो नम्रता तिर्की एवं प्राचार्य प्रो प्रमोद सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर किया।मुख्य अतिथि ने विस्तार से बताया कि सदियों से महिला के प्रति उपेक्षा का माहौल रहा है,उन्होंने विषय वस्तु को समझाया एवं लिंग भेद को समाप्त करने के उपाय बताये।वक्ताओं में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ सुजीत माथुर रूसा समन्वयक डॉ मुनिलाल ठाकुर एनएसएस समन्वयक प्रो मनोज कुमार सिंह थे।वहीं झारखंड कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सह वूमेन सेल की समन्वयक डॉ अमिता मिश्रा ने मंच संचालन की।वहीं उन्होंने विस्तार से सेमिनार के विषय को समझाया।इस अवसर पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।छात्र छात्राओं में खुशी,तनु,शिव शंकर साव,मेघा मिश्रा,हरीलाल मंडल,जया कुमारी, डॉली कुमारी आदि प्रमुख थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो तालेश्वर नायक,प्रो शंकर ठाकुर,राजेन्द्र कुमार,हेमलाल आदि की भूमिका प्रमुख थे।धन्यवाद ज्ञापन जंतु विज्ञान की छात्रा तनु कुमारी ने किया।

न्यायालय परिसर में पुलिस चौकी की मांग

जमशेदपुर। शुक्रवार 01.09.2023 को न्यायालय परिसर में अपराधियों द्वारा न्यायालय परिसर में घुसकर न्यायालय कर्मचारी राकेश कुमार पर जानलेवा हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया गया। जिसके उपरांत वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है एवं न्यायालय परिसर में विशेष सुरक्षा होने के बावजूद इस तरह की घटना को अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जाने की निंदा की। उन्होंने न्यायालय प्रशासन एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि न्यायालय परिसर के समक्ष एक स्थाई पुलिस चौकी का निर्माण हो एवं संचालित हो, जिससे कि न्यायिक पदाधिकारी एवं न्यायालय कर्मचारीगण स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सके।

केवट पाड़ा में एक मिट्टी का घर हुआ जमींदोज, पीड़ित परिवार ने लगाई मदद की गुहार

कुंडहित (जामताड़ा)। राजनगर मुर्गाबनी मुख्य मार्ग में कुंडहित मुख्यालय स्थित केवट पाड़ा में एक मिट्टी का घर गुरुवार को अचानक धस गए। उस घर पर दशरथ धीवर अपने परिवार के साथ रहा करते थे। गनीमत रही परिवार बाल-बाल बचे। घटना में किसी का कोई हताहत नहीं हुआ। अचानक मिट्टी का घर धंस जाने से उक्त परिवार बेघर हो गए। इस दौरान पीड़ित दशरथ धीवर ने स्थानीय प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि मुझ जैसे गरीब परिवार को प्राथमिकता सूची में जोड़कर या कोई वैकल्पिक व्यवस्था किया जाए ताकि रहने के लिए एक छत मिल सके। उन्होंने बताया कि मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं। उक्त परिवार ने अंचलाधिकारी से आवेदन देकर मुआवजा की गुहार लगाई है पीड़ित परिवार ने कहा कि घर गिर जाने से हम लोग बेघर हो गए हैं बताया कि अंचलाधिकारी को आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई गई है।

अमेज़न ने भारत की डिजिटल इकॉनमी और एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए की नई पहल की घोषणा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ अमेज़न ने एमएसएमई एक्सपोर्टर्स के लिए सीमा पार लॉजिस्टिक्स को आसान बनाने के लिए इंडिया पोस्ट के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया हैं। ग्राहकों को विक्रेता ऑर्डर की तीव्र डिलीवरी के लिए भारतीय रेलवे के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसी) के साथ सहयोग करने वाली पहली ईकॉमर्स कंपनी बन गयी हैं। एमएसएमई के लिए ईकॉमर्स अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जेनरेटिव एआई संचालित व्यक्तिगत डिजिटल सहायक अमेज़ॅन सह एआई पेश किया हैं। मल्टी चैनल फुलफिलमेंट (एमसीएफ) के साथ डायरेक्ट टू कंज्यूमर (डी2सी) ब्रांडों के लिए अपनी पूर्ति क्षमताओं को खोला हैं। ये सभी घोषणाएं अमेज़ॅन के सीईओ एंडी जेसी की जून 2023 में अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बैठक के बाद की गई हैं। इस संबंध में 31 अगस्त गुरूवार को नई दिल्ली में आयोजित अमेज़ॅन सम्भव सम्मिट के चौथे संस्करण में भारत के प्रति अमेज़ॅन के भावी दृष्टिकोण को साझा करते हुए अमेज़ॅन के एसवीपी इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स अमित अग्रवाल ने कहा कि हम भारतीय बाजार में विकास और दीर्घकालिक संभावनाओं और भारत में लाखों उपभोक्ताओं और विक्रेताओं को सेवा देने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं। हमने हाल ही में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में भारत में 15 बिलियन डॉलर के वृद्धिशील निवेश की घोषणा की थी और हम 21वीं सदी में भारत की प्रगति में भागीदार बने रहेंगे। अमेज़ॅन सम्भव, अमेज़ॅन द्वारा आयोजित वार्षिक वैचारिक नेतृत्वकारी शिखर सम्मेलन है जिसमें डिजिटल इंडिया के लिए अनंत संभावनाओं के उपयोग हेतु सर्वोत्तम तरीकों पर जोरदार चर्चा के लिए नीति निर्माता, उद्योग के प्रतिष्ठित लीडर्स, स्टार्टअप और अमेज़ॅन लीडरशिप भाग लेते हैं। आयोजन के दौरान, अमेज़ॅन ने भारत हेतु किए गए अपने संकल्पों के अनुरूप, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए श्रृंखलाबद्ध कई नई पहलों की घोषणा की।

अनिमेष जैन ने एनटीपीसी के कोयला खनन प्रभाग के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार संभाला

रांची। चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख अनिमेष जैन ने शुक्रवार से एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची में मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) का पद ग्रहण किया। वह एनटीपीसी के कोयला खनन प्रभाग के प्रमुख होंगे और झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में स्थित सभी कोयला खनन परियोजनाओं और रांची में कोयला खनन मुख्यालय की देखभाल करेंगे। अपनी वर्तमान पोस्टिंग से पहले जैन चट्टी बरियातु कोयला खनन में परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यरत थे ।

32 वर्षों से अधिक के कार्यकाल में जैन का सूचना और प्रौद्योगिकी, सीएमडी और निदेशक (तकनीकी) सचिवालय, ईआरपी, कॉर्पोरेट योजना, कोयला खनन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान है। उन्होंने व्यवसाय के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर काम किया है। भारत और विदेश दोनों में विकास, विलय और अधिग्रहण, जोखिम प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, कॉर्पोरेट मामले शामिल हैं।

जैन ने 2020-21 में बांग्लादेश इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी लिमिटेड (बीआईएफपीसीएल) के प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य किया और आज तक बोर्ड के सदस्य बने हुए हैं। बीआईएफपीसीएल में प्रबंध निदेशक की भूमिका संभालने से पहले वह म्यांमार में एनटीपीसी लिमिटेड के संचालन की स्थापना के लिए जिम्मेदार थे।

म्यांमार में एनटीपीसी लिमिटेड के कंट्री हेड होने के अलावा उन्होंने अंतर-सरकारी समितियों में सदस्य के रूप में बिम्सटेक क्षेत्र के लिए बिजली क्षेत्र की पहल में योगदान दिया। उन्होंने एनईएससीएल के सीईओ के रूप में भी कार्य किया और दो वर्षों से अधिक समय तक त्रिंकोमाली पावर कंपनी लिमिटेड (सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड और एनटीपीसी लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम) और टीईएलके के बोर्ड में निदेशक रहे।

विश्व ऊर्जा परिषद भारत के कार्यकारी निदेशक के रूप में 2021 से 2023 तक उन्होंने भारत और विश्व स्तर पर चल रहे ऊर्जा परिवर्तन सहित बिजली क्षेत्र का एक समग्र दृष्टिकोण विकसित किया। उनकी सफलता का मंत्र है 'सावधानीपूर्वक योजना और दोषरहित क्रियान्वयन'।

अकादमिक मोर्चे पर जैन भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) से एक योग्य मैकेनिकल इंजीनियर हैं। उन्होंने अमेरिका के जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय से सूचना प्रणाली और इंजीनियरिंग प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। मैनेजमेंट सेंटर यूरोप, बेल्जियम से मिनी-एमबीए पूरा किया है। मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), कोलकाता और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद में वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रमों में भाग लिया है। व्यक्तिगत तौर पर उन्हें यात्रा करना पसंद है। उन्होंने पेशेवर उद्देश्यों और प्रशिक्षण के लिए चार महाद्वीपों में 25 से अधिक देशों का दौरा किया है।

ओरमांझी में हुए तिहरे हत्याकांड में नौ गिरफ्तार

रांची। ओरमांझी थाना क्षेत्र के गुंजा गांव के झांझी टोला में गुरुवार को हुए तिहरे हत्याकांड मामले में नौ आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। मारपीट की घटना का बदला लेने के लिये तीन लोगों की हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार आरोपितों में सहजनाथ बेदिया, सहजनाथ बेदिया की पत्नी राजो देवी और बेटा हेमंत बेदिया, संजीत बेदिया, रंजीत बेदिया, महेन्द्र बेदिया, पंचित बेदिया, सुकरा मुंडा और कामेश्वर बेदिया शामिल हैं। सभी आरोपित ओरमांझी थाना क्षेत्र के देवनजड़ा के रहने वाले हैं।

आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में शामिल दबली, कुदाल और चापड़ बरामद किया गया है। मामले को लेकर ग्रामीण एसपी हारिश बिन जमा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दो सप्ताह पहले मृतक झामेश्वर बेदिया का सुअर सहजनाथ बेदिया और उसके पड़ोसियों के खेतों में जाकर धान की फसल बर्बाद कर दिया था।

इस बात को लेकर झामेश्वर बेदिया का आरोपित के साथ लड़ाई-झगडा हुआ था। आरोपित महेन्द्र बेदिया का मृतक झामेश्वर बेदिया और उसकी पत्नियों ने मारपीट कर सिर फोड़ दिया था। इसी बात का बदला लेने के लिए आरोपित अपने परिजनों के साथ मिलकर झामेश्वर बेदिया के घर घुसकर लाठी-डंडे, कुदाल, दबली आदि से मारकर तीनों लोगों की हत्या कर दी थी।

गुरुवार को ओरमांझी थाना क्षेत्र के देवनजड़ा स्थित झांझी टोला गुंजा में झामेश्वर बेदिया और उनकी दोनों पत्नी सरिता देवी और संजू देवी की हत्या कर दी गई थी। मामले में 11 नामजद और चार पांच अज्ञात आरोपित के खिलाफ मृतक के भतीजे ने मामला दर्ज कराया था।

हत्या करने से पहले दो साथियों के साथ धराया हत्याकांड का आरोपित

पलामू। डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के मुस्लिम नगर इलाके में पिस्टल चमकाकर लोगों को डरा धमका रहे शातिर अपराधी फैज खान को गिरफ्तार किया गया है। उसकी निशानदेही पर दो अन्य अपराधी भी पकड़े गए हैं। उनके पास से 7.65 एमएम की लोडेड एक पिस्टल, दो देशी कट्टा और सात जिंदा गोली बरामद की गयी है। फैज खान डेढ़ महीने पहले 11 वर्ष की सजा काटकर जेल से बाहर निकला है। उसे युवा नेता लड्डू रंगरेज हत्याकांड में सजा हुई थी।सदर एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मुस्लिम नगर इलाके में हत्या की सजा काटकर जेल से बाहर आया फैज खान मुहल्ले में पिस्टल से लोगों को डरा धमका रहा है। वह अपने साथियों के साथ पिस्टल के लेनदेन का भी काम करता है।

सूचना के आलोक में शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अभय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में टीम बनाई गई। थाना प्रभारी ने टीओपी वन के प्रभारी रेवाशंकर राणा और जवानों के साथ मुस्लिमनगर इलाके में पहुंचे और फैज खान को पकड़ने की कोशिश की तो उसके साथ पुलिस की गुथम गुत्थी भी हुई। फैज अपने पास से पिस्टल निकाल कर पुलिस पर तानने की कोशिश करने लगा था। लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाकर उसे गिरफ्त में ले लिया।

एसडीपीओ ने बताया कि फिलहाल जेल से निकलने के बाद मुस्लिम नगर के फैज खान कुंड मुहल्ला के शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन और पहाड़ी मुहल्ला के फेकू खान के साथ मिलकर जमीन का अवैध धंधा कर रहा था। खाली जमीन को देखकर दावा ठोक देता था। विवाद करके जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करता था।

उन्होंने बताया कि फैज खान द्वारा पूछताछ के दौरान बताया गया कि जमीन कारोबार से जुड़े अपने विरोधियों की हत्या करने के उद्देश्य से उसने लोडेड पिस्टल रखा था। उसके द्वारा दो देशी कट्टा कुंड मुहल्ला के रहने वाले फेकू खान के द्वारा पहाड़ी मुहल्ला शमशान घाट के पास रहने वाले विक्की राइन को रखने के लिए दिया गया था। फेकू खान से पूछताछ करने के बाद शहजाद के घर से दो देशी कट्टा बरामद किया गया।

हाई कोर्ट से यौन शोषण मामले में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव की याचिका खारिज

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने महिला के यौन शोषण के आरोपित पोड़ैयाहाट से कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव की क्रिमिनल रिवीजन पर फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट के जस्टिस सुभाष चंद की कोर्ट ने शुक्रवार को प्रदीप यादव की याचिका को खारिज कर दिया। पूर्व में सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पूर्व में कोर्ट ने प्रदीप यादव के खिलाफ दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले से संबंधित चल रही कार्यवाही पर रोक लगाई थी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विमल कीर्ति सिंह एवं अधिवक्ता ललित यादव ने पैरवी की। सूचक की ओर से अधिवक्ता गौतम कुमार, विनोद साहू और ने पैरवी की।

प्रदीप यादव ने मामले में स्पेशल जज, दुमका द्वारा 02 अप्रैल, 2022 को उनके डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। पीड़ित ने प्रदीप यादव के खिलाफ यौन शोषण मामले में 20 अप्रैल, 2019 को देवघर महिला थाना में कांड संख्या 13/ 2019 दर्ज कराई थी। इस मामले में 28 सितंबर, 2019 को प्रदीप यादव को हाई कोर्ट से बेल मिली है।

डुमरी की जनता ने परिवर्तन का मन बनाया : बाबूलाल

रांची। डुमरी उप चुनाव में एनडीए का प्रचार अभियान जोर-शोर से चल रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा को बीच में रोककर प्रचार अभियान में पूरी ताकत झोंक दी है। सभी छह मंडलों में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद अब गांव-गांव संपर्क अभियान पर पार्टी ने जोर लगाया है।

बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को ससारखों मंडल के दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों से एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मरांडी ने अपने संबोधनों में बार-बार पहले मतदान फिर जलपान का अनुरोध किया। मरांडी ने संपर्क अभियान की शुरूआत खरको मोड़ पर स्थापित झारखंड के अमर शहीद सिदो कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

जनसंपर्क अभियान में मरांडी ने जरीडीह, बाराडीह, खकसावा, करमा, बहियार, बरवाडीह सहित दर्जनों गांवों में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जनता का आक्रोश हेमंत सरकार के खिलाफ झलक रहा उससे स्पष्ट हो गया है कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र की जनता ने हेमंत सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि जनता आखिर झामुमो प्रत्याशी को क्यों वोट करे। हेमंत सोरेन की सरकार पैसे और परिवार के लिए सत्ता में बने रहना चाहती है। उसे राज्य की गरीब जनता, बेरोजगारों, किसानों, बहन- बेटियों, आदिवासी दलित और पिछड़े किसी की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी आंदोलन को बेचने का इनका पुराना इतिहास है।

ईडी कोर्ट में डीसी छवि रंजन सहित दस के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

रांची। जमीन की अवैध खरीद मामले में ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, व्यवसायी विष्णु अग्रवाल, प्रेमप्रकाश सहित दस आरोपितों के खिलाफ शुक्रवार को आरोप पत्र दाखिल किया गया। आरोपितों में राजेश राय, भरत प्रसाद, इम्तियाज अहमद, अफसर अली, मोहम्मद सद्दाम, लखन सिंह, प्रवीण भार्गव भी हैं।उल्लेखनीय है कि ईडी ने विष्णु अग्रवाल को पूछताछ के बाद बीते 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था जबकि पूर्व डीसी छवि रंजन को चार मई और अन्य लोगों को बीते 14 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। ईडी की जांच में पता चला था कि राजेश राय एवं भारत प्रसाद ने गलत तरीके से चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन पर कब्जा किया था। उक्त जमीन का खाता नंबर 37, प्लॉट नंबर 28 है।विष्णु अग्रवाल पर चेशायर होम रोड की एक एकड़ की जमीन गलत ढंग से खरीदने का आरोप है। ईडी ने जांच में पाया कि कोलकाता रजिस्ट्री कार्यालय में रखे मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर रैयत का नाम बदला गया था। इसके बाद विष्णु अग्रवाल ने यह जमीन खरीदी थी। गंगाधर राय को इस जमीन का फर्जी मालिक बनाया गया था। बाद में गंगाधर राय के पोते राजेश राय से यह जमीन खरीद-बिक्री की गई थी। ईडी ने राजेश राय और उससे पावर ऑफ अटॉर्नी लेने वाले भरत प्रसाद से पूछताछ की थी। राजेश राय ने ही पुनीत भार्गव को चेशायर होम रोड की जमीन बेची थी। प्रेम प्रकाश के करीबी पुनीत भार्गव ने इस जमीन में करोड़ों रुपये का निवेश किया है।

जमीन घोटाला मामले में ईडी ने अटैच की 161.64 करोड़ की संपति

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को रांची जमीन घोटाला मामले में 161.64 करोड़ रुपये की संपति अटैच की है। इस दौरान रांची में चेशायर होम रोड, पुगरू और सिरमटोली में 161.64 करोड़ रुपये कीमत की तीन भूखंड को ईडी ने अटैच किया है।

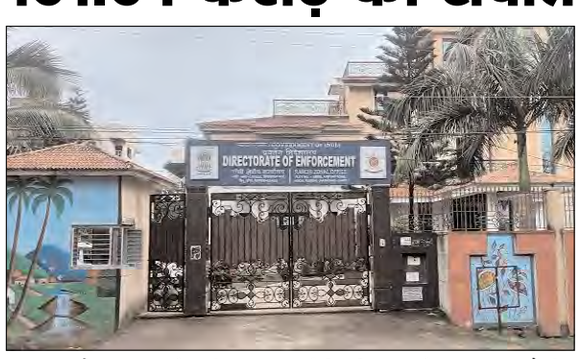

ईडी की ओर से बताया गया कि भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन तीनों भू-खंडों का म्यूटेशन किया गया है। ईडी ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत प्रदीप बागची, बिष्णु कुमार अग्रवाल, भानु प्रताप प्रसाद और अन्य के खिलाफ झारखंड पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर तीनों भूमि घोटाले मामलों में जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में पता चला है कि झारखंड में माफिया द्वारा अवैध तरीके से जमीन का मालिकाना हक बदलने का बड़ा गोरखधंधा चल रहा है। ये आपराधिक तत्व कोलकाता और रांची में विरासती रिकॉर्ड बनाने का काम करते थे। जमीन घोटाले मामले में ईडी ने अब तक 14 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रदीप बागची, अफसर अली, सद्दाम हुसैन, इम्तियाज अहमद, तल्हा खान, फैयाज खान, भानु प्रताप प्रसाद, छवि रंजन, आईएएस (पूर्व डीसी रांची), दिलीप कुमार घोष, अमित कुमार अग्रवाल, बिष्णु कुमार अग्रवाल, राजेश राय, भरत प्रसाद और प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया गया है, और फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं।

सार-संक्षेप

जिला प्रशासन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची। रांची समाहरणालय परिसर में दो सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। रिम्स और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को समाहरणालय के पदाधिकारियों से शिविर में बढ़चढ़ कर रक्तदान करने की अपील की है।

स्टेट कोऑर्डिनेशन कमेटी ने राज्यपाल से मिलने का मांगा समय

रांची। हेमंत सोरेन सरकार की झारखंड राज्य समन्वय समिति ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने के लिए समय मांगा है। समिति के सदस्य विनोद कुमार पांडेय ने राज्यपाल के प्रधान सचिव को शुक्रवार को इस संबंध में पत्र लिखकर कहा है कि समन्वय समिति का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिलना चाहता है और अपनी बातों को रखना चाहता है। इसलिए तीन सितम्बर को मिलने का समय निर्धारित कर सूचित किया जाये।

उल्लेखनीय है कि राज्य समन्वय समिति के चेयरमैन शिबू सोरेन हैं। जबकि मंत्री आलमगीर आलम, सत्यानंद भोक्ता, झामुमो विधायक सरफराज अहमद, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय, फागू बेसरा, योगेंद्र महतो इसके सदस्य हैं।

पुलिस मुख्यालय ने सैप के 907 पदाधिकारियों-कर्मियों के अनुबंध समाप्त करने के आदेश को किया स्थगित

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के पारित आदेश के आलोक में पुलिस मुख्यालय ने शुक्रवार को सैप के दोनों वाहिनी के 907 कर्मियों के अनुबंध को समाप्त करने वाला आदेश स्थगित कर दिया है।

राज्य सरकार ने 27 अगस्त को सैप एक और दो में कार्यरत 907 कर्मियों की सेवा 31 अगस्त से समाप्त कर दी थी। सैप-1 वाहिनी टाटीसिलवे रांची और सैप-2 वाहिनी हलुदबनी जमशेदपुर में अनुबंध के आधार पर नियुक्त सैप के 907 पदाधिकारियों और कर्मियों के नाम से जारी किए गए हथियार, गोली और पहचान पत्र को जमा कराते हुए अनुबंध समाप्त करते हुए पुलिस मुख्यालय को अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा गया था। राज्य सरकार के इस आदेश को प्रार्थी चमरा भेंगरा ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। इस पर जस्टिस डीएन पाठक ने पुलिस मुख्यालय के आदेश के क्रियान्वयन पर अगले आदेश तक रोक लगा दिया।

झाप्रसे के सात पदाधिकारियों की सेवा निर्वाचन विभाग को सौंपी गयी

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के एसडीओ रैंक के सात पदाधिकारियों की सेवा मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग में विभिन्न जिलों में उप निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापन के लिए सौंपी गयी है। इस संबंध में शुक्रवार को कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

बीडीओ दारू, सुशील कुमार राय, बीडीओ टंडवा रंथू महतो, बीडीओ चांडिल मनीष कुमार, बीडीओ तांतनगर अनंत कुमार,बीडीओ हैदरनगर धीरज कुमार ठाकुर,सीओ नाला सुनीता किस्कू, प्रतीक्षारत विकास कुमार राय।

ईडी ने मुख्यमंत्री को भेजा समन, नौ सितंबर को बुलाया

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को तीसरा समन भेजा है। ईडी ने मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए नौ सितंबर को रांची क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उनसे उनकी और उनके परिवार की बेनामी संपत्तियों के बारे में पूछताछ की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि रांची जमीन घोटाला में ईडी ने पहली बार समन जारी कर हेमंत सोरेन को 14 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दिन भी वह ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे और एक कर्मचारी के जरिए एक पत्र भेजा था। इसके बाद ईडी ने मुख्यमंत्री को समन भेजकर 24 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था लेकिन मुख्यमंत्री ईडी के कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए थे।

मुख्यमंत्री आवास के एक कर्मचारी सूरज के जरिए एक पत्र ईडी के सहायक निदेशक को भेजा गया था। इस पत्र के साथ उन्होंने ईडी को जानकारी दी थी कि उन्होंने समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट में फैसला आने तक मुख्यमंत्री ने ईडी से पूछताछ नहीं करने की बात कही थी।

मनरेगा एक्ट उल्लंघन के मामले में झाप्रसे के अधिकारी पर होगी विभागीय कार्रवाई

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनय कुमार सुमन पर विभागीय कार्रवाई चलाने का निर्णय लिया गया है। उनके ऊपर जामा बीडीओ के पद पर रहते पंचायत स्तर की योजनाओं का प्रखंड स्तर का एफटीओ कराने, बिना कार्य हुए 9,73,500.00 रुपये की राशि पंचायत एवं प्रखंड से निकासी करने, मनरेगा एक्ट का उल्लंघन करने और भ्रष्टाचार में शामिल रहने सहित कई आरोप हैं।

दुमका उपायुक्त ने 24 मई, 2018 को आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसकी जांच कराई गयी, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाया गया। इसके बाद विभागीय कार्रवाई का फैसला लिया गया है। कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

जेजेए कार्यकारी अध्यक्ष ने 3000 सदस्यों के लक्ष्य को जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

रांची। आज झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में संगठन के संस्थापक सह राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज़ हसन, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत, उपाध्यक्ष नवल किशोर सिंह एवं प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम ने संगठन के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत ने प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम को बरही अनुमंडल सहित हजारीबाग जिला के सदस्यों की सूची यथा शीघ्र बनाकर भेजने का निर्देश दिया। उन्हों ने कहा कि जिला कमेटी द्वारा समय पर डिटेल उपलब्ध नहीं कराया गया जिसके कारण सदस्यों को आईडी कार्ड अबतक उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। श्री अमरकांत ने कहा कि डिटेल उपलब्ध करवाने के एक सप्ताह के अंदर सदस्यों को आईडी कार्ड उपलब्ध करवा दिया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष नवल किशोर सिंह के पुत्र का पिछले दिनों गंभीर दुघर्टना के उपरांत झारखंड के मुख्यमंत्री से ईलाज का खर्च वहन करने के लिए आवेदन दिया गया था, उसके भुगतान के लिए आज सीएमओ ने अश्वस्त किया है कि जल्द ही भुगतान कर दिया जाएगा।राष्ट्रीय महासाचिव शाहनवाज़ हसन ने 17 सितंबर को प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के बाबत कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत से विचार विमर्श किया, साथ ही धनबाद एवं चतरा में संगठन की जिला इकाई का विस्तार एवं पुनर्गठन पर चर्चा की गई। श्री हसन ने आगामी अयोजित होने वाले बैंगलोर और नेपाल के राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड की भागीदारी को लेकर भी विचार विमर्श किया। शाहनवाज़ हसन ने कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत की सक्रियता के कारण संगठन रांची जिला में मजबूत हुआ है साथ ही प्रमंडल स्तर पर लगातार उनका प्रयास सराहनीय है।कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत ने सभी जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों को सदस्यता अभियान चला कर 3000 सदस्यों के लक्ष्य को जल्द हासिल करने का निर्देश दिया।

सुविचार

किसने चलाया ये, तोहफे लेने-देने का रिवाज, गरीब आदमी मिलने-जुलने से भी डरता हैं।

'ऊंची उड़ान' के सपने

विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' अभी पूरी तरह आकार लेकर मैदान में नहीं उतरा कि इससे पहले ही 'प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार' बनने की दावेदारी शुरू हो गई है। कौनसा दल नहीं चाहता कि उसका नेता प्रधानमंत्री बने? लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) अभी से 'इंडिया' गठबंधन की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम आगे करने लगी है! क्या इससे यह संकेत नहीं मिलता कि गठबंधन में खींचतान शुरू हो गई है? इससे अन्य घटक दलों में यह संदेश जाएगा कि वे भी गाहे-बगाहे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर अपने नेता का नाम आगे बढ़ा दें। उम्मीदवार घोषित होना या न होना बाद की बात है, इससे घटक दलों पर दबाव तो आ ही जाएगा। केजरीवाल को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने की इच्छा संबंधी बयान 'आप' के किसी आम कार्यकर्ता ने नहीं दिया। इसकी मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि वे बतौर प्रवक्ता, राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नाम का प्रस्ताव रखना चाहेंगी! उन्होंने यह टिप्पणी 'इंडिया' गठबंधन की मुंबई में बैठक होने से पहले की, जिसमें विपक्षी नेता वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए संयुक्त प्रचार रणनीति और अपने सदस्यों के बीच 'मतभेदों' को दूर करने पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में 'मतभेद' कितने दूर होंगे, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन प्रियंका कक्कड़ के बयान से घटक दलों के नेताओं की चिंता जरूर बढ़ सकती है। हालांकि इस बयान के कुछ घंटे बाद ही दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने यह कहकर मामले को संभालने की कोशिश की कि मैं आधिकारिक रूप से कह रही हूं, अरविंद केजरीवाल देश का प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हैं। सवाल है- तो पार्टी की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता के बयान के क्या मायने हैं?

'आप' के दिल्ली संयोजक और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय भी कमोबेश यही कह रहे हैं, 'हर पार्टी चाहती है कि उसका नेता प्रधानमंत्री बने। आप सदस्य भी चाहते हैं कि उनके राष्ट्रीय संयोजक प्रधानमंत्री बनें।' हालांकि उन्होंने भी 'संतुलन' साधने की कोशिश करते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के सभी सदस्य बैठक करेंगे और जो फैसला होगा, हम उसके अनुसार आगे बढ़ेंगे।' 'इंडिया' गठबंधन को लेकर जनमानस में धारणा है कि यह मुख्यत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विजयरथ' रोकने के लिए बनाया गया है, जिसमें कांग्रेस 'नेतृत्व' की भूमिका में रहना चाहती है। अगर 'आप' की ओर से भविष्य में भी इसी तरह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर केजरीवाल का नाम उछाला गया तो यह कांग्रेस समेत अन्य घटक दलों को असहज कर सकता है। चूंकि 'आप' तो कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन से पैदा हुई थी। इस पार्टी ने अपने अस्तित्व में आने के बाद सबसे ज्यादा सियासी नुकसान कांग्रेस को पहुंचाया है। राष्ट्रीय राजधानी में 15 वर्षों से शीला दीक्षित के नेतृत्व में चली आ रही तत्कालीन कांग्रेस सरकार को 'आप' ने सत्ता से बाहर किया था। इसने पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से सत्ता छीनकर सरकार बना ली। गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वोटबैंक में खूब सेंध लगाई। इससे कांग्रेस को सीटों का भारी घाटा हुआ। चूंकि 'आप' की केंद्र की राजनीति में आकर सत्तासीन होने की महत्वाकांक्षाएं किसी से छिपी नहीं हैं। इस पार्टी के निर्माण के बाद वर्ष 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में इसे 'पूर्ण सफलता' नहीं मिली, लेकिन इसने सरकार बना ली थी। इस 'जीत' से उत्साहित होकर केजरीवाल ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में बनारस जाकर मोदी को चुनौती दे डाली थी। हालांकि केजरीवाल हारे और अन्य सीटों पर भी 'आप' का प्रदर्शन बहुत कमजोर रहा था। इतने वर्षों में 'आप' ने दिल्ली में जड़ें मजबूत कीं, वहीं कांग्रेस सिमटती गई। अब तो 'आप' को राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा मिल गया है। ऐसे में यह पार्टी 'ऊंची उड़ान' के सपने क्यों न देखे! क्या 'इंडिया' गठबंधन में रहते यह संभव है? क्या कांग्रेस और घटक दल उसके मार्ग में अवरोध नहीं डालेंगे? अगर लोकसभा चुनाव नजदीक आते-आते अन्य दलों की ओर से भी अपने नेताओं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने के स्वर उठने लगे तो इंडिया' गठबंधन का भविष्य क्या होगा? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब इस गठबंधन को अभी तलाशने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र व राज्यसभा का 261वां सत्र) आगामी 18 से 22 सितंबर के दौरान होगा, जिसमें 5 बैठकें होंगी। अमृतकाल के इस कालखंड में आयोजित होने जा रहे इस विशेष सत्र में सभी दलों से सार्थक चर्चा और बहस होना अपेक्षित है।

-अर्जुनराम मेघवाल

बिजली कटौती से परेशान किसानों की मांगो को लेकर बूंदी में मंगलवार को प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस की बर्बरता की मैं कड़ी निंदा करती हूँ। राज्य का किसान पहले से ही अगस्त महीने में पर्याप्त बारिश नहीं होने से परेशान है और सिंचाई के लिए बिजली की मांग कर रहा है।

-दिया कुमारी

डिग्गी में महंत सियाराम दास जी की नृशंस हत्या की भर्त्सना करता हूँ। पुलिस एवं प्रशासन को इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले अपराधियों को अतिशीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करवा कर उन्हें सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

व्यवहार का धर्म

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इसी तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए, संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया, 'मुझे आए इतने दिन हो गए, पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं?' संत ने हंसकर कहा, 'कैसी बात कर रहे हो? तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो, उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा, 'वो कैसे?' संत बोले, 'जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया।

सामयिक

मोदी ने 2024 चुनाव के लिए मास्टर स्ट्रोक मारना किया शुरू

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व देश में राजनीतिक माहौल बदलता हुआ दिख रहा है। एक ओर जहां विपक्ष अपना कुनबा बढ़ा रहा है। वहीं दूसरी ओर एनडीए भी अपने समर्थकों दलों की संख्या बढ़ाने की कोशिश में जुटी हुई है। इस बीच मोदी सरकार आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व कई महत्वपूर्ण फैसले ले रही है, जिसमें एलपीजी गैंस सिलेंडर के दाम घटाने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाले रुपये को बढ़ाने और हर-घर-जल योजना में तेजी लाने का फैसला किया है। चार साल पहले केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई हर-घर जल योजना अभी तक 67 प्रतिशत घरों तक पहुंच चुकी है। केंद्र का लक्ष्य है कि 2024 तक योजना को 100 प्रतिशत पूरा किया जाए। लेकिन केंद्र अगले साल चुनाव से पहले अधिकतम काम पूरा करने पर जोर दे रहा है। सूत्र ने बताते है, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना ने 2019 में जो जादू किया, वहीं हर घर जल और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाएं 2024 में करेंगी।

केंद्र एक और कदम एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम करने का किया है। पिछले तीन साल में एलपीजी सिलेंडर की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। हालांकि एलपीजी की कीमत वैश्विक कीमतों से निर्धारित होती है। देश घरेलू खपत के लिए 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, भाजपा की प्रतिक्रिया है कि उसकी महिला मतदाता नाखुश हैं। अब मोदी जी के ताजा स्ट्रोक से देशभर में रसोई गैस का सिलेंडर दो सौ रुपये सस्ता मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग में ये फैसला लिया गया। चूंकि पिछले दो सालों से रसोई गैस का सिलेंडर लगातार मंहगा हो रहा था, एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1103 रुपये तक पहुंच गई थी, अब इस पर लगाम लगेगी। अब गैस का सिलेंडर दिल्ली में 903 रुपये का मिलेगा। चूंकि ओणम और रक्षाबंधन का त्योहार है, इसके बाद जन्माष्टमी, नवरात्र, दशहरा और दीवाली है, इसलिए त्योहारों का सीजन शुरू होने से पहले सरकार ने मंहगाई से जनता को राहत देने के लिए उपाय करने शुरू कर दिए और पहले कदम के तौर पर गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का फैसला किया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की माताओं-बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया है, इसमें किसी तरह के कोई भेदभाव नहीं हैं, हर वर्ग के लोगों को गैस सिलेंडर दो सौ रुपये सस्ता मिलेगा। इसके अलावा सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख नए कनेक्शन देने का भी फैसला किया है। अनुराग ठाकुर ने बताया कि जो नए परिवार बने हैं या पिछली बार जिन परिवारों को किसी कारणवश उज्ज्वला योजना का लाभ नहीं मिल पाया, अब ऐसे 75 लाख परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन, सिलेंडर, चूल्हा और कनेक्शन पाइप मुफ्त दिया जाएगा।

सरकार का ये फैसला समाज के बड़े वर्ग को राहत देने वाला है। इसीलिए जैसे ही फैसले का एलान हुआ तो इस पर सियासत शुरू हो गई। विरोधी दलों ने ये कहना शुरू कर दिया कि सरकार समझ रही है कि मंहगाई की मार झेल रही जनता चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी, इसलिए सरकार ने चुनावों को देखते हुए ये फैसला लिया है। यहां एक बात बताना जरूरी है, आम लोगों को गैस सिलेंडर 200 रुपये सस्ता मिलेगा, जबकि जिन लोगों ने उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन लिया है, उन्हें गैस सिलेंडर 400 रुपये सस्ता मिलेगा क्योंकि उज्ज्वला योजना के तहत 9 करोड़ 60 लाख उपभोक्ताओं को सरकार पहले से गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी दे रही है, वो जारी रहेगी।

नरेन्द्र मोदी की अपील पर लोगों ने गैस सिलेंडर पर सब्सिडी छोड़ दी थी । इसके बाद आम लोगों के लिए गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ते-बढते 1103 रुपये तक पहुंच गई। सरकार की तरफ से कहा गया कि पिछले तीन सालों में इंटरनेशनल मार्केट में गैस के दामों में करीब 303 परसेंट की बढ़ोतरी हुई। लेकिन इसके बाद भी भारत सरकार ने गैस के दाम सिर्फ 63 परसेंट बढ़ाए और आज हर सिलेंडर की कीमत 200 रुपये कम कर दी। सरकार के फैसले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ट्विटर पर लिखा कि रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है, गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टीका-टिपण्णी करते हुए ट्विटर पर लिखा कि जब वोट लगे घटने तो चुनावी तोहफे लगे बंटने। साढे 9 साल तक 400 रु. का एलपीजी गैस सिलिंडर 1100 रुपये में बेच कर आम आदमी की जिंदगी तबाह करते रहे, तब कोई स्नेह भेंट की याद क्यों नहीं आई? भाजपा सरकार ये जान ले कि 140 करोड़ भारतीयों को साढ़े 9 साल तड़पाने के बाद चुनावी लॉलीपॉप थमाने से काम नहीं चलेगा। आपके एक दशक के पाप नहीं धुलेंगे।आई.एन.डी.आई.ए. से डर अच्छा है, मोदीजी। ममता बनर्जी ने तो गैस सिलेंडर के दामों की कटौती का श्रेय विपक्षी एकता को दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि जैसे-जैसे इंडिया अलायंस और मजबूत होगा, सरकार पर दबाव पड़ेगा और जनता को इसी तरह की और सहूलियतें मिलेंगी। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि कर्नाटक में जनता ने महंगाई और बेरोजगारी के कारण चुनाव में भाजपा को खारिज किया, अब तीन राज्यों में चुनाव है, इसलिए सरकार डरी है। विरोधी दलों को जवाब दिया पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने। उन्होंने कहा कि विरोधी दलों के नेता सिलेंडर की कीमत कम कराने का श्रेय ले रहे हैं, बेहतर होगा अब ममता बनर्जी, अशोक गहलोत, अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता अपने राज्यों में डीजल पेट्रोल की कीमतें कम कर दें। ये बात तो सही है कि सब्सिडी खत्म होने के बाद एलपीजी सिलेंडर के दाम लोगों को परेशान कर रहे थे, इसलिए सरकार के फैसले से आम लोगों को तो राहत मिली है। जहां तक इस फैसले को लेकर हो रही सियासत का सवाल है, तो विरोधी दलों के रिएक्शन इस बात का सबूत हैं कि मोदी के इस फैसले से भाजपा को चुनावों में फायदा होगा।

कांग्रेस ने कर्नाटक में सस्ता सिलेंडर देने का वादा किया था, उसे सफलता मिली। इसलिए राजस्थान सरकार ने चुनाव से पहले पांच सौ रुपये में सिलेंडर देने का एलान कर दिया। मध्य प्रदेश में कांग्रेस यही वादा कर रही है कि अगर उसकी सरकार बनी तो पांच सौ रुपये में सिलेंडर मिलेगा। चुनाव के मौके पर लोगों को सस्ती चीजें ऑफर करने का विशेषाधिकार सिर्फ विरोधी दलों

के पास तो नहीं हो सकता। इसीलिए नरेन्द्र मोदी ने रक्षाबंधन और ओणम के मौके पर सिलेंडर की कीमतों में कमी करके विपक्ष को अपनी रणनीति पर फिर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। विरोधी दलों के नेता ये बताने की कोशिश कर रहे हैं कि मोदी ने गैस सिलेंडर सस्ता किया वो उनके इकट्ठा होने के दबाव में आकर किया लेकिन लगता है कि नरेंद्र मोदी चुनावी राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। वो जानते हैं कि किस मौके पर कौन सा कदम कब उठाना है। अब मुंबई में मोदी विरोधी मोर्चे की जो मीटिंग होने जा रही है, उसमें भी इस मुद्दे पर बात होगी।

एक अंतर्राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक 24 बिलियन डॉलर वाली प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को जून 2024 तक के लिए एक्सटेंड किया जा सकता है। इस योजना की अवधि 31 दिसंबर 2023 को खत्म होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना को अगले 6 महीने के लिए बढ़ाने को लेकर चर्चा चल रही है और आखिरी फैसला प्रधानमंत्री कार्यालय को लेना है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों में कोरोना के बाद भाजपा की सरकार बनी है। आंतरिक सर्वे और रानजीतिक विश्लेषकों ने भी माना कि भाजपा को इस योजना का फायदा मिला है।

मुद्दा

दुनियाभर में मोदी का जलवा बरकरार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दबदबे और सर्वप्रियता पर वैश्विक मुहर लग गई है। भारत में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया जहां प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अगले लोकसभा चुनाव में सत्ताच्युत करने की रणनीति को अंतिम रूप दे रहा है वहां देश और दुनियां में मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। अपने ही देश में कुछ सियासी शक्तियों को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी फूटी आँखों नहीं सुहाते। मोदी का नाम आते ही उनके तन बदन में आग सी लग जाती है। मगर दुनियां ने उन्हें सिर आँखों पर बैठा रखा है। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली, सोच, साहस, हौसला, कार्य निष्ठा, देश के प्रति समर्पण, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व और कुछ कर गुजरने की ललक ने उनकी लोकप्रियता को देश ही नहीं अपितु दुनिया में भी बढ़ाने का काम किया है। मोदी के दबदबे और लोकप्रियता पर एक बार फिर वैश्विक मुहर फिर लग गई है। मोदी एक मजबूत वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। हम बात कर रहे है प्यू रिसर्च सेंटर की जो सर्वे और डेटा के कारोबार से जुड़ी है। देश में 2024 लोकसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में हर कोई यह जानना चाहता है कि दो बार से केंद्र की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति देश के लोगों का रुख कैसा है। अमेरिकन सर्वे एजेंसी प्यू रिसर्च सेंटर की मानें तो अगले साल फिर मोदी लोकसभा चुनाव जीतने वाले हैं। सर्वेके मुताबिक 79 फीसदी भारतीयों का भरोसा अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बना हुआ है। लोगों का मानना है कि बीते वर्षों के दौरान भारत का कद दुनिया भर में तेजी से बढ़ा है। भारत में होने जा रहे जी20 सम्मेलन से पहले मंगलवार को यह रिपोर्ट जारी की गई। दुनिया भर के कुल 23 देशों में 30,861 लोगों पर किए गए इस सर्वे के दौरान 20 फरवरी 2023 से 22 मई 2023 के बीच आंकड़े जुटाए गए। इस दौरान 68 फीसदी भारतीय वयस्कों ने माना कि दुनिया में भारत का प्रभाव बढ़ा है। 55 फीसदी लोगों की सोच मोदी के प्रति अनुकूल है। वो अगले साल आम चुनाव के दौरान फिर से प्रधानमंत्री मोदी को देश की सत्ता संभालते हुए देखना चाहते हैं। भारत का दबदबा विदेशों में भी बढ़ा है। सर्वे में सवाल पूछा गया कि क्या दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ा है। इसके जवाब में 68 फीसदी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का प्रभाव बढ़ा है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर भारतीय चीन और पाकिस्तान को नापसंद करते हैं।

नजरिया

राजस्थान में परिवर्तन यात्राओं के सहारे भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 94142 55034

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुयें हैं। वसुंधरा समर्थको को मानना है कि उनको ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती है तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं की मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता हैं कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खींचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खेतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बडा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके।

ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़

खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेगी। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चैपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चैपालें भी आयोजित होंगी।

पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ होगी। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहेगा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल होंगे। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। दूसरी यात्रा के दौरान 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह सयोंजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह-संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सहसंयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू, सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह संयोजक बनाया गया है।

इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एंव कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है।

भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है।

फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा समय का इंतजार कर रही है। अंदर खाने वसुंधरा राज्य ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरुनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य ने अक्टूबर को 'हिंदू विरासत माह' घोषित किया

न्यूयॉर्क/भाषा

अमेरिका के जॉर्जिया ने राज्य में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के योगदान को सम्मान देते हुए अक्टूबर को आधिकारिक रूप से हिंदू विरासत माह घोषित किया है। गवर्नर ने इसकी जानकारी दी।

गवर्नर ब्रायन कैंप ने एक आधिकारिक बयान जारी कर अक्टूबर को 'हिंदू विरासत माह' के रूप में मनाने की घोषणा की। इसमें कहा गया कि हिंदू विरासत को उसकी संस्कृति और भारत में निहित विविध आध्यात्मिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए मनाया जाएगा। गवर्नर ने 23 अगस्त को जारी आधिकारिक बयान में कहा कि हिंदू-अमेरिकी समुदाय ने जॉर्जिया के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाकर राज्य की जीवन शक्ति में जबरदस्त योगदान दिया है।

सीएचएनए (कॉयलेशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका) ने भी इस कदम का स्वागत किया और हिंदू समुदाय को सम्मान देने के लिए गवर्नर कैंप का आभार व्यक्त किया।

समूह ने 'एक्स' (पूर्व में टवीटर) पर लिखा, यह हिंदूज ऑफ जॉर्जिया के हमारे दोस्तों के अथक समर्पण से संभव हुआ। हिंदू धर्म ने अमेरिका के सांस्कृतिक परिवेश में महती योगदान दिया है।

इस साल की शुरुआत में, जॉर्जिया विधानसभा ने 'हिंदूफोबिया' (हिंदू धर्म के प्रति पूर्वाग्रह) की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके साथ ही यह इस तरह का विधाई प्रस्ताव पारित करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बना था।

'हिंदूफोबिया' और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करते हुए, प्रस्ताव में अमेरिकी समाज के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करने और लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में हिंदू समुदाय के योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत और कला के योगदान का उल्लेख किया गया था।

आदित्य एल-1 सूर्य के वर्तमान, भविष्य पर और प्रकाश डालेगा : बनर्जी

कोलकाता/भाषा

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि दो सितंबर को इसरो द्वारा प्रक्षेपित किए जाने वाले भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद सूर्य के अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में नई जानकारी मिल सकेगी।

आने वाले दशकों और सदियों में पृथ्वी पर संभावित जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए यह आंकड़े महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

सौर भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर दीपांकर बनर्जी ने कहा कि आदित्य एल-1 पहले लैग्रेंजियन बिंदु तक जाएगा जो पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है और फिर वह उस डेटा को प्रसारित करेगा जिसका अधिकांश भाग पहली बार अंतरिक्ष में किसी मंच से वैज्ञानिक समुदाय के पास आएगा। इस अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु) पर सौर वायु के यथास्थिति अवलोकन के लिए तैयार किया गया है। एल1 पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है।

लैग्रेंज बिंदु ऐसे संतुलन बिंदु को कहा जाता है जहां सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वीय बल बराबर होते हैं।

आदित्य एल1 को सूर्य-पृथ्वी की व्यवस्था के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यहां से सूर्य को बिना किसी व्यवधान या ग्रहण के लगातार देखने का लाभ मिलेगा।

बनर्जी, उस टीम का हिस्सा हैं जिसने 10 साल से अधिक समय पहले मिशन की योजना पर काम किया था।

बनर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व या जीवन मूलतः सूर्य की उपस्थिति के कारण है जो हमारा निकटतम तारा है। सारी ऊर्जा सूर्य से आती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि क्या यह उतनी ही ऊर्जा उत्सर्जित करेगा (जैसा कि यह अभी करता है) या इसमें परिवर्तन होने वाला है। उन्होंने कहा, यदि कल सूर्य उतनी ही मात्रा में ऊर्जा उत्सर्जित नहीं करेगा तो इसका हमारी जलवायु पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

नैनीताल में आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के निदेशक बनर्जी ने कहा कि यदि लैग्रेंजियन बिंदु से सूर्य की लंबी अवधि तक निगरानी की जा सकती है, तो यह सूर्य के इतिहास का मॉडल तैयार करने की उम्मीद जगाएगा।

वैज्ञानिक ने कहा कि ऐसा देखा गया है कि हर 11 साल में सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में बदलाव होता है, जिसे सौर चक्र के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सौर वायुमंडल में चुंबकीय क्षेत्र में भी कभी-कभी व्यापक परिवर्तन होते हैं जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा का भारी विस्फोट होता है, जिसे सौर तूफान कहा जाता है।

दीपांकर बनर्जी ने कहा कि बाहरी सौर वातावरण (कोरोना) मजबूत चुंबकीय क्षेत्रों द्वारा संरचित है, जो गर्म प्लाज्मा को सीमित करता है। निश्चित समय पर यह अंतरग्रहीय माध्यम में गैस और चुंबकीय क्षेत्र के बुलबुले छोड़ता है, जिसे 'कोरोनल मास इजेक्शन' कहते हैं। वैज्ञानिक ने कहा, जब वे अंतरग्रहीय माध्यम में यात्रा करते हैं, तो वे सभी दिशाओं में जा सकते हैं। कोरोनल मास इजेक्शन के प्रभाव से उपग्रह सीधे प्रभावित होते हैं। सौर आंधी के कारण चंद्रमा समेत अन्य ग्रह प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष में हमारी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष मौसम के पूर्वानुमान की आवश्यकता है। आदित्य-एल1 के डेटा की मदद से मौसम के पूर्वानुमान में सुधार किया जा सकता है।

स्वागत

मुंबई में गुरुवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का आई.एन.डी.आई.ए. में भाग लेने के लिए आगमन पर स्वागत किया गया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने अहमदी समुदाय के धार्मिक स्थलों की मीनारें गिराईं

लाहौर/भाषा

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय के दो धार्मिक स्थलों की मीनारें बृहस्पतिवार को ढहा दीं। इससे पहले कुछ कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने आरोप लगाया था कि ये मीनारें अवैध रूप से बनाई गई हैं।

जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान पंजाब के अधिकारी आमिर महमूद ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, कट्टरपंथी इस्लामवादियों के दबाव में शेखपुरा और गुजरात जिलों में अहमदी धार्मिक स्थलों की मीनारें पुलिस ने ध्वस्त कर दीं। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने इन धार्मिक स्थलों में लिखी आयतों को भी विरूपित कर दिया।

महमूद ने कहा, यह आम बात हो गई है कि पुलिस अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने के बजाय उन पर (अहमदियों पर) अपने ही धार्मिक स्थलों की बेअदबी करने के लिए दबाव डाल रही है। पुलिस की कार्रवाई से कट्टरपंथी तत्वों की मंशा की पूरी हो जाती है।

हाल के महीनों में पंजाब प्रांत में अहमदी धार्मिक स्थलों की मीनारों को ध्वस्त करने की कई घटनाएं हुई हैं और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कट्टरपंथी इस्लामवादी कथित तौर पर उनमें शामिल रहे हैं।

इस महीने की शुरुआत में इसी तरह की एक घटना में, यहां से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलनगर जिले के चक 168 मुराद में अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय के एक धार्मिक स्थल की मीनारों को अज्ञात संदिग्धों ने ध्वस्त कर दिया था।

कानून के तहत, अहमदी अपने धार्मिक स्थलों पर मीनारें नहीं बना सकते और इस्लामी आयतें नहीं लिख सकते हैं क्योंकि इसे इस्लाम के खिलाफ माना जाता है।

महमूद ने कहा, पाकिस्तान में पहले से ही हाशिए पर पहुंच चुके अहमदियों के लिए स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। वे दुष्ट तत्वों के हाथों उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर पंजाब में धार्मिक स्थलों की मीनारों को ढहाने की घटनाएं लगातार जारी हैं। यह एक नया चलन है और अधिकारी कुछ नहीं कर रहे हैं।

पाकिस्तान में अहमदी समुदाय के लोगों को आमतौर पर कादियानी कहा जाता है, जो उनके लिए अपमानजनक शब्द माना जाता है।

साल 1974 में पाकिस्तान की संसद ने अहमदी समुदाय को गैर-मुस्लिम घोषित कर दिया था। एक दशक बाद, उन पर खुद को मुस्लिम कहने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन पर उपदेश देने और तीर्थयात्रा के लिए सऊदी अरब जाने पर प्रतिबंध लगा है।

फिल्म मांग भरो सजना की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

बाबा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही बॉलीवुड अभिनेता राहुल शर्मा और मेघाश्री स्टारर फिल्म मांग भरो सजना की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म मांग भरो सजना की शूटिंग लखनऊ की खूबसूरत वादियों में हो रही है, जिसमें राहुल शर्मा फिल्म डार्लिंग के बाद एक बार फिर से दमदार भूमिका में नजर आने वाले हैं। राहुल शर्मा ने बताया, फिल्म मांग भरो सजना मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और पिछली फिल्म में मिले दर्शकों के प्यार और आशीर्वाद ने मुझे एक बार फिर से भोजपुरी में फिल्म करने को प्रेरित किया है। इस फिल्म में भी मेरी भूमिका बेहद अलग है, जो आपका खूब मनोरंजन करेगी। फिल्म के गीत संगीत भी एक से बढ़कर एक होने वाले हैं। फिल्म मनोरंजन का बेजोड़ पैकेज बन कर उभरेगा। अच्छी कहानी व कथा वाली फिल्म को करना मेरी प्रायरिटी रही है।

फिल्म मांग भरो सजना के निर्देशक राकेश त्रिपाठी ने बताया कि फिल्म जितना लोग सोच रहे हैं, उससे ज्यादा फिल्म अच्छी बने इसके लिए एकाग्रता और कठिन परिश्रम की जरूरत होती है। इसी चीज को हम अपनी फिल्म में फॉलो कर रहे है। उम्मीद है लोगों को बेहद पसंद आने वाली है। फिल्म में एक्शन, इमोशन, रोमांस सब भरपूर होगा। कहानी के साथ साथ हमारी फिल्म के गाने भी बेहतरीन होने वाले हैं। हमने इसके प्री प्रोडक्शन पर बेहद मेहनत की है और पूरी एनर्जी के साथ फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। उम्मीद है जब यह फिल्म सिनेमाघरों में आएगी, तब दर्शक इस फिल्म को खूब पसंद भी करेंगे। मांग भरो सजना में राहुल शर्मा और मेघा श्री के साथ-साथ कुणाल सिंह भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म की सह निर्माता अनीता शर्मा हैं। फिल्म मांग भरो सजना में देव सिंह, विनीत विशाल, रोहित सिंह मटरु, वीणा पांडे,मोना राय और के के गोस्वामी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी।

इमरान ने 'दो धारी तलवार' के लिए लगातार 4 रात की शिफ्ट में की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

लंबे समय से सिनेमा से दूर रहे अभिनेता इमरान खान ने पुरानी यादों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' और 'डेल्ही बेली' को लेकर दिलचस्प किस्से साझा किए। इमरान ने इंस्टाग्राम पर 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' और 'डेल्ही बेली' की कुछ रेट्रो तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा, एक समय की बात है, इंस्टाग्राम नहीं था, इसलिए लोग अपनी तस्वीरों में रेट्रो प्रभाव जोड़ने के लिए हिपस्टैमैटिक ऐप का इस्तेमाल करते थे। यहां 'एमबीकेडी' के सेट से कुछ रेट्रो तस्वीरें हैं, मुझे याद है कि मैंने 'दो धारी तलवार' गाने के लिए कुछ डबल शिफ्ट में काम किया था।'' उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने लगातार चार रातों तक 'दो धारी तलवार' गाने की शूटिंग की और दिन के दौरान वह 'डेल्ही बेली' के ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे।

उन्होंने कहा, इसे लगातार 4 रात की पालियों में शूट किया गया था, जबकि मैं एक ही समय में दिल्ली बेली से 'नक्कड़डवाले डिस्को' और 'स्विटी' के संगीत वीडियो की शूटिंग दिन में कर रहा था। मैं दो सेटों के बीच चलते हुए अपनी कार में सोता था।'' 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है।

राखी

पटना में गुरुवार को बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप ने गुरुवार को पटना में 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' के उपलक्ष्य में रक्षा बंधन त्योहार के अवसर पर एक पेड़ पर 'राखी' बांधते हुए।

बिना लाइसेंस बंदूक रखने वालों को बिग बी ने कहा, 'आप कानून तोड़ रहे हैं'

नई दिल्ली/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बिना लाइसेंस के बंदूक रखने वालों को हिदायत देते हुए लाइसेंस लेने की जरूरत पर जोर दिया। क्विज आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के होस्ट बिग बी ने यूपी के अयोध्या से रोलओवर प्रतियोगी वरुण केसरवानी का हॉट सीट पर स्वागत किया। प्रतियोगी से बात करते हुए 'पा' फेम अभिनेता ने पूछा, क्या आपके माता-पिता आपके साथ या अयोध्या में रहते हैं? वरुण ने उत्तर दिया कि सर, मेरे माता-पिता अयोध्या में रहते हैं। वहां मेरा पुश्तैनी घर है और हमारा संयुक्त परिवार है। हमारा हथियार और गोला-बारूद का कारोबार है। पिछले 80 वर्षों से यह हमारा पारिवारिक व्यवसाय रहा है। वरुण ने शेयर किया कि सभी पिताओं की तरह, मेरे पिता भी दूरदर्शी थे। उन्हें एहसास हुआ कि मुझे व्यवसाय में शामिल नहीं करना चाहिए। इसलिए उन्होंने मुझे आगे की

शिक्षा के लिए शहर से बाहर भेजने का फैसला किया। आज की तारीख में भारत में हथियार लाइसेंस हासिल करना कठिन है। मुझे लगता है कि यह एक तरह से सही है।

उन्होंने आगे कहा कि सर, एक समय था जब इसके अपने फायदे थे, जिनके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं। मेरे माता-पिता ने भी प्रेम विवाह किया था। उस समय जब शादियां होती थीं, तो बारात में बहुत सारे हथियारबंद लोग शामिल होते थे। यह उस परिवार में शादी करने जैसा था जिसके पास बंदूकें थीं। यह उस समय ट्रेंड में था। तब यह एक स्टेटस सिंबल था, जो अब नहीं है। वरुण ने कहा कि दुनिया बदल रही है। जैसा कि हमने अमेरिका में देखा है, आए दिन प्राइमरी स्कूल के बच्चों के साथ ऐसी दर्दनाक घटनाएं हो रही हैं। मैं कहूंगा कि यह हमारी सरकार का एक अच्छा कदम है। उसी पर बोलते हुए 80 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि आपने एक अद्भुत बात कही, वरुण। यह न केवल एक खतरनाक हथियार है, बल्कि यह समाज के लिए भी हानिकारक है। शो देखने वाले सभी दर्शकों से कहना है कि अगर आपके पास ऐसी बंदूक है, जिसके लिए आपके पास लाइसेंस नहीं है, तो आप कानून तोड़ रहे हैं। जल्दी से लाइसेंस प्राप्त करें और अपने हथियार की घोषणा करें। 'कौन बनेगा करोड़पति-15' सोनी पर प्रसारित होता है।

'द वैक्सीन वॉर' भारतीय वैज्ञानिकों की सच्ची उपलब्धि पर आधारित : पल्लवी जोशी

वाशिंगटन/भाषा। फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और अभिनेत्री पल्लवी जोशी के कहा कि अमेरिका के कई शहरों में भारतीय अमेरिकियों के लिए निजी तौर पर प्रदर्शित की जा रही फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' भारतीय वैज्ञानिकों, विशेष रूप से महिलाओं की उपलब्धियों से प्रेरित है। विवेक ने अपनी पत्नी पल्लवी के साथ 'पीटीआई-भाषा' को एक संयुक्त साक्षात्कार में बताया, हम बॉलीवुड नहीं हैं। इसलिए इस तरह की फिल्में बनाने का जोखिम उठाने के लिए तैयार रहते हैं। दोनों वर्तमान में वाशिंगटन डीसी में हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म भारत और दुनिया के लिए एक किफायती टीका तैयार करके कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले भारतीय वैज्ञानिकों की सच्ची कहानी पर आधारित है। पल्लवी ने कहा, हमें एहसास हुआ कि वैज्ञानिकों (भारतीय) ने जितना काम किया है, वह सिर्फ प्रयोगशाला तक सीमित नही रहा। उन्होंने अपनी सुविधा के दायरे से बाहर जाकर कड़ी मेहनत की। हमने सोचा कि यह लोगों को बताने के लिए एक बेहतरीन कहानी है। उन्होंने यह भी कहा, और मुझे लगता है कि सबसे अहम बात यह है कि वैक्सीन तैयार करने वालों में लगभग 70 प्रतिशत वैज्ञानिक महिलाएं रहीं। यह बात कहीं न कहीं मेरे दिल को छू गई और फिर विवेक ने कहा कि यह ऐसी चीज है जिसे हमें दुनिया को दिखाना चाहिए। इससे उन्हें पता चलेगा कि महिला सशक्तीकरण क्या है। विवेक ने कहा कि देश की प्रयोगशालाओं में महिला वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा काम एक अलग तरह की देशभक्ति है और वे भारत की गुमनाम नायक हैं, जिन्हें पहचानने और उचित श्रेय देने की जरूरत है।

'चॉकलेट, हेट स्टोरी, ताशकंत फाइल्स' और 'कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्म बना चुके विवेक कहते हैं कि उन्होंने इस फिल्म को वैज्ञानिकों की निगरानी में बनाया। उन्होंने दावा किया, फिल्म की शूटिंग वास्तविक स्थानों पर की गई। यह विश्व इतिहास की पहली फिल्म है जिसे वास्तविक बीएसएल-4 प्रयोगशाला (जैव सुरक्षा स्तर) में शूट किया गया है। फिल्म में मीडिया का नकारात्मक चित्रण किया गया है और विवेक ने कहा कि उनके पास इसकी ठोस वजह है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के दौरान मीडिया के एक वर्ग ने ऐसी खबरें लिखीं जो विदेशियों से प्रेरित थीं। उन्होंने कहा, पहले पत्रकार एक देश और सरकार के बीच अंतर समझते थे।

प्रदर्शनी

गुरुवार को बेंगलूरु में कर्नाटक चित्रकला परिषद में फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ बेंगलूरु की वार्षिक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया।